दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
वर्ष :-04
अंकः-284
मुरादाबाद
05 February 2025
(Wednesday)
पृष्ठः-08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भूटान नरेश संग सीएम योगी ने संगम में लगाई डुबकी, अक्षयवट के दर्शन कर बड़े हनुमान मंदिर में की पूजा

भूटान नरेश संग मुख्यमंत्री योगी ने संगम में पावन डुबकी लगाई। त्रिवेणी संगम पर सीएम योगी और भूटान नरेश ने साइबेरियन पक्षियों को दाना भी खिलाया। भूटान नरेश ने सीएम योगी संग अक्षयवट के दर्शन किए। इसके बाद बड़े हनुमान जी के दरबार में हाजिरी लगाई।भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने मंगलवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाई। भूटान नरेश नामग्याल वांगचुक सोमवार को ही लखनऊ पहुंचे थे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। वहीं मंगलवार को नामग्याल वांगचुक के साथ मुख्यमंत्री प्रयागराज पहुंचे और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। भूटान नरेश संगम में आस्था की डुबकी लगाने के बाद अक्षय वट और बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन के लिए गए। दोनों नेताओं ने डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र का भी दौरा किया। सदी के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ 2025 में स्नान के लिए पूरी दुनिया लालायित है। इसी क्रम में भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक भी गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाने प्रयागराज पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें त्रिवेणी संगम पर विधिवत स्नान और पूजा-अर्चना कराई। जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक सोमवार को ही थिम्फू से लखनऊ पहुंचे थे, जहां सीएम योगी ने उनका स्वागत किया। संगम में स्नान-ध्यान के बाद भूटान नरेश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अक्षयवट का दर्शन करने पहुंचे। इसके बाद दोनों नेताओं ने बड़े हनुमान जी के मंदिर में मत्था टेका। इसके बाद दोनों नेताओं ने बड़े हनुमान मंदिर के नजदीक बने डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र पहुंचकर महाकुंभ के दिव्य-भव्य और डिजिटल स्वरूप का भी अवलोकन किया। भूटान नरेश का यह दौरा भारत-भूटान मित्रता एवं सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। महाकुंभ नगर में भूटान नरेश की आध्यात्मिक यात्रा के दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी और विष्णुस्वामी संप्रदाय की सतुआ बाबा पीठ के महंत जगद्गुरू संतोष दास (सतुआ बाबा) सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मिल्कीपुर उपचुनाव: सपा के प्रदेश अध्यक्ष का बड़ा आरोप, हमारे कार्यकर्ताओं और एजेंट को पीट रही पुलिस

सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि मिल्कीपुर में भाजपा को चुनाव जिताने के लिए पुलिस सपा कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित कर रही है। धांधली की तैयारी पूरी की जा चुकी है।अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर पांच फरवरी को होने वाले मतदान को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने लखनऊ में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान में धांधली के लिए पूरी तैयारी की जा चुकी है। सपा नेताओं की शिकायतों को नहीं सुना जा रहा है। पुलिस हमारे कार्यकर्ताओं और एजेंट को धमकी दे रही है और उन्हें पीटा जा रहा है।उन्होंने कहा कि किसी को सपा का बूथ एजेंट ही नहीं बनने दिया जा रहा है। प्रशासन ने धांधली की पूरी व्यवस्था कर ली है। भाजपा लोकतंत्र का मजाक बना रही है। यह शर्मनाक है।इसके पहले सोमवार को मिल्कीपुर में जनसभा करने आए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने निर्वाचन प्रक्रिया में गड़बड़ी को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि मतदाता पर्ची का क्षेत्र विशेष में बीएलओ की ओर से वितरण नहीं किया जा रहा है। चुनाव को प्रभावित करने के लिए प्रदेश सरकार के मंत्रियों और भाजपा विधायक के रिश्तेदारों व दोस्तों को थानेदार और सीओ के रूप में तैनात किया गया है। यहां तक कह डाला कि डीएम के इशारे पर उनको गलत कोऑर्डिनेट्स दिए गए

राजनाथ सिंह का राहुल गांधी पर निशाना; सेना प्रमुख के बयान के बारे में झूठ बोलने का लगाया आरोप

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 3 फरवरी 2025 को संसद में अपने भाषण में भारत-चीन सीमा पर स्थिति पर सेना प्रमुख के बयान के बारे में झूठे आरोप लगाए।सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में रक्षा मंत्री ने लिखा- सेना प्रमुख की टिप्पणी गश्त में व्यवधान का उल्लेख था। सैन्य वापसी के हिस्से के रूप में बहाल किया गया है। सरकार ने सिंह ने आगे लिखा- राहुल गए शब्द कभी भी उनके द्वारा कि राहुल गांधी राष्ट्रीय हित के यदि कोई भारतीय क्षेत्र है जिसमें अक्साई चिन में 38,000 वर्ग

में केवल दोनों पक्षों की तरफ से पारंपरिक उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में हुई इन प्रथाओं को उनके पारंपरिक स्वरूप में संसद में ये विवरण साझा किए हैं।राजनाथ गांधी की तरफ से सेना प्रमुख के लिए कहे नहीं बोले गए थे। यह बहुत खेद की बात है मामलों पर गैरजिम्मेदार राजनीति में लिप्त हैं। चीन घुसा है, तो वह 1962 के युद्ध के बाद किमी और 1963 में पाकिस्तान की तरफ से चीन को अवैध रूप से सौंपे गए 5,180 वर्ग किमी क्षेत्र है। राहुल गांधी हमारे इतिहास के इस चरण के बारे में आत्मनिरीक्षण करने पर विचार कर सकते हैं। चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर बयानों में अंतर- बता दें कि, राहुल गांधी ने एक दिन पहले चीन के सीमा पर आक्रामक रुख को लेकर भी सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने सदन में कहा कि चीन की सीमा पर आक्रामकता को लेकर सैन्य अधिकारियों के बयानों में अंतर है। चीन ने हमारी सीमा में घुसपैठ की है, इस बात से प्रधानमंत्री इनकार कर रहे हैं, लेकिन सेना ने पीएम के बयान से असहमति जताई है।

महाकुंभ भगदड़ को लेकर रामगोपाल बोले- VIP लोगों की व्यवस्था में व्यस्त था प्रशासन, आम आदमी की नहीं थी चिंता

प्रयागराज में महाकुंभ भगदड़ को लेकर संसद में विरोध प्रदर्शन के बाद समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि घटना के बाद से 15,000 लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों के लापता होने की सूचना दी है और सरकार कोई जानकारी नहीं दे रही है।प्रयागराज में महाकुंभ में विरोध प्रदर्शन के बाद सांसद रामगोपाल यादव बाद से 15,000 लोगों सदस्यों के लापता होने सरकार कोई जानकारी से बात करते हुए सपा ने याद दिलाया कि भगदड़ के बाद उस समय जवाहरलाल नेहरू ने इस और घायलों की संख्या राम गोपाल ने कहा कि भगदड़ हुई थी, तो पहले नेहरू ने सदन में कहा था

भगदड़ को लेकर संसद समाजवादी पार्टी के ने कहा कि घटना के ने अपने परिवार के की सूचना दी है और नहीं दे रही है। एएनआई नेता रामगोपाल यादव 1954 के कुंभ में के प्रधानमंत्री त्रासदी में मरने वालों बताई थी।सपा नेता जब 1954 में बड़ी ही दिन जवाहरलाल कि 400 लोग मारे गए हैं और 2000 घायल हुए हैं। उसके बाद सरकार ने कहा था कि बिना पत्र दिए, बिना विज्ञापन दिए इतनी बड़ी संख्या में लोग आते हैं। उस समय की सरकार ने कुंभ में वीआईपी लोगों के आने पर रोक लगा दी थी। समाजवादी पार्टी नेता ने कहा कि इसके विपरीत, वर्तमान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रशासन वीआईपी के लिए व्यवस्था करने में व्यस्त था और आम लोगों की चिंता नहीं कर रहा था। सपा सांसद राम गोपाल ने आगे कहा कि हमारे मुख्यमंत्री हर दिन वहां (प्रयागराज) होते हैं, सभी अधिकारी वीआईपी लेन को ठीक रखने में व्यस्त रहते हैं और उन्हें इस बात की चिंता नहीं है कि आने वाले आम लोग डूबते हैं या मरते हैं। 15,000 लोग कह रहे हैं कि उनके परिवार के सदस्य नहीं मिल रहे हैं, सरकार कोई जानकारी नहीं दे रही है।

अखिलेश बोले- लोग पुण्य कमाने आए थे, अपनों के शव लेकर गए; कहा इस्तीफा देना चाहता हूं

अखिलेश ने कहा, लोग पुण्य कमाने आए थे और अपनों के शव लेकर गए। उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि जहां उचित व्यवस्था होनी चाहिए थी, वहां राजनीतिक प्रचार किया जा रहा है। धार्मिक आयोजन में राजनीतिक प्रचार करना, खासकर डबल इंजन वाली सरकार में, शर्मनाक और निंदनीय है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने महाकुंभ हादसे में हुई मौतों को लेकर लोकसभा में सरकार से कई सवाल किए। उन्होंने मामले में पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने सरकार से मौतों, घायलों के इलाज और आयोजन के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में सटीक आंकड़े पेश करने को कहा। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग लेते हुए अखिलेश ने स्थिति को स्पष्ट करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। उन्होंने सिफारिश की कि आपदा प्रबंधन और खोया-पाया केंद्र को सेना को सौंप दिया जाना चाहिए। अखिलेश ने सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि एक धार्मिक समागम में राजनीतिक प्रचार अशोभनीय, निंदनीय है। सरकार ने महाकुंभ का इतना प्रचार किया और मैंने कई टीवी इंटरव्यू और समाचार चैनलों पर ये बात सुनने में आई कि सरकार ने 100 करोड़ लोगों के आने का इंतजाम किया है। अगर ये बात गलत है तो मैं इस्तीफा आपको देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, सरकार लगातार बजट के आंकड़े दे रही है, लेकिन महाकुंभ में मरने वालों के आंकड़े भी बताए। मैं मांग करता हूं कि महाकुंभ की व्यवस्थाओं को स्पष्ट करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। महाकुंभ आपदा प्रबंधन और खोया-पाया केंद्र की जिम्मेदारी सेना को दी जाए। महाकुंभ दुर्घटना में हुई मौतों, घायलों के उपचार, दवाओं, डॉक्टरों, भोजन, पानी, परिवहन की उपलब्धता के आंकड़े संसद में पेश किए जाएं। सपा मुखिया ने सरकार के आंकड़ों को दबाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों और तथ्यों को छिपाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, महाकुंभ हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए और सच्चाई को छिपाने वालों को दंडित किया जाना चाहिए। हम डबल इंजन सरकार से पूछते हैं कि अगर कोई गलती नहीं थी, तो आंकड़ों को क्यों दबाया, छिपाया और मिटाया गया अखिलेश ने कहा, लोग पुण्य कमाने आए थे और अपनों के शव लेकर गए। उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जहां उचित व्यवस्था होनी चाहिए थी, वहां राजनीतिक प्रचार किया जा रहा है। धार्मिक आयोजन में राजनीतिक प्रचार करना, खासकर डबल इंजन वाली सरकार में, शर्मनाक और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि दावा किया गया था कि महाकुंभ डिजिटल तरीके से और आधुनिक तकनीक से आयोजित किया जाएगा। सीसीटीवी, ड्रोन और लाइव स्ट्रीमिंग के आधार पर डिजिटल कुंभ आयोजित करने का दावा करने वाले मृतकों का डिजिटल रिकॉर्ड भी नहीं दे पा रहे हैं।% उन्होंने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि श्रद्धालुओं के शव मिल गए, लेकिन सरकार इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उन्होंने पूछा, जब जानकारी सामने आई कि कुछ लोगों की जान चली गई है, तो सरकार ने क्या किया? उन्होंने सरकारी हेलीकॉप्टर से फूल बरसाए। क्या यही हमारी सनातन परंपरा है? अखिलेश यादव ने कहा, हमारे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने संवेदना तक व्यक्त नहीं की। जब देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने अपनी संवेदना व्यक्त की, तो सरकार ने इसे 17 घंटे बाद ही स्वीकार किया। दरअसल, महाकुंभ मेले में मौनी अमावस्या पर दूसरे शाही स्नान के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कम से कम 30 लोगों की जान चली गई और लगभग 60 लोग घायल हो गए थे।

'वक्फ विधेयक लाया गया तो देश में सामाजिक अस्थिरता आएगी', लोकसभा में ओवैसी का बयान

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी ने बीते सप्ताह बहुमत के साथ वक्फ विधेयक पर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था। इसे इस सत्र में सदन में पेश किया जा सकता है।एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ विधेयक को लेकर सोमवार को सरकार को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यदि वक्फ विधेयक को इसके मौजूदा स्वरूप में लाया गया तो देश में सामाजिक अस्थिरता आएगी और पूरा मुस्लिम समुदाय इसे खारिज कर देगा। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए ओवैसी ने कहा, मैं सरकार को आगाह कर रहा हूं कि अगर वक्फ विधेयक इसी स्वरूप में लाया गया तो देश में सामाजिक अस्थिरता आएगी। पूरा मुस्लिम समुदाय इसे खारिज कर देगा। कोई मुस्लिम संपत्ति नहीं बचेगी। वक्फ (संशोधन) विधेयक का अध्ययन करने

वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्य ओवैसी ने कहा कि वक्फ विधेयक को लाकर सरकार देश को 80 और 90 के दशक में लौटाना चाहती है। उन्होंने कहा, एक गौरवान्वित मुस्लिम के रूप में मैं अपनी मस्जिद और दरगाह का एक इंच भी नहीं लेने दूंगा। यह मेरी संपत्ति है। वक्फ मेरे लिए उपासना की तरह है। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी ने गत सप्ताह बहुमत से वक्फ विधेयक पर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था। इसे इस सत्र में सदन में पेश किया जा सकता है। फलस्तीन का मुद्दा भी उठाया- ओवैसी ने सरकार पर विदेश नीति पर समझौता करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि भारत 'नरसंहार समझौता' में पक्षकार है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फलस्तीन में हो रहे 'नरसंहार' पर कुछ नहीं बोलते। सांसद ने कहा कि लाखों फलस्तीनी मारे गए और घायल हुए हैं। फलस्तीन को लेकर कुछ नहीं बोलते पीएम- उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री यूक्रेन में युद्ध रोकने की बात करते हैं, लेकिन फलस्तीन को लेकर कुछ नहीं बोलते। ओवैसी ने कहा कि हमारी सरकार को गाजा में स्वास्थ्य क्षेत्र के निर्माण की जानकारी लेनी चाहिए। फलस्तीनियों को छात्रवृत्ति के लिए भारत आमंत्रित करना चाहिए।

संपादकीय Editorial

Health budget is not sufficient

On an average, there are only 2-3 doctors per 10,000 people in India. There is a shortage of doctors in the country. In the new AIIMS that are being set up, more than half of the doctor posts are lying vacant because there is a great shortage of qualified and specialist doctors. In such a situation, the creation of 75,000 medical seats in the next 5 years is an important announcement. The target has been set to create 10,000 of them in the next one year, but this too is questionable because specialists and senior doctors are apprehensive about the quality of medical education. At present, there are 1.16 lakh medical seats in the country. The announcement of setting up cancer day-care centers in 200 district hospitals in the new budget is also very humanitarian because, except for the metros, there are no basic facilities for the diagnosis and treatment of a fatal disease like cancer in remote and small areas. There are also very few specialist doctors for cancer. In the capital Delhi itself, there are neither regular doctors nor working machines in the cancer hospital. On an average, the patient is given a date after 7-8 months. In such a gap, the death of the patient is also possible, so the announcement of opening 200 centers is important, but it should be done in a phased manner as to when, how many centers will be opened and start functioning properly? It is also a noteworthy question that how will the cancer centers be operated? Will they be operated with private participation or will all the arrangements be made at the government level? There are facilities for cancer treatment in private hospitals, but the treatment is very expensive. The average person is unable to spend so much money. A few years ago, on the same lines, dialysis facility was started for kidney patients in district hospitals. Many people benefited from it. In this way, the fight against cancer can be fought. The health budget also has political dimensions. The Modi government has implemented the 'Ayushman Bharat' scheme, but its half-truth is that the card is valid only in the case of surgery. If you are suffering from other serious diseases, then you cannot get treatment through 'Ayushman'. There are many conditions for eligibility for 'Ayushman', so this service is available only to those who belong to the most deprived community. According to the World Bank, the government in India bears the cost of only 50.2 percent of the treatment. The remaining 49.8 percent people are forced to get treatment from their own pocket. The government of the Delhi semi-state has been making noise about 'free health', but the condition of the common man in government hospitals is like that of insects. The behavior of doctors is very rude. There is hardly any exception, whose treatment has been done by the Delhi government in a private hospital at its own expense! However, these problems are not often mentioned in the budget. The budget is the 'balance sheet' of the Government of India. In 2025-26, a health budget of Rs 99,858 crore has been allocated. This is 8-9 thousand crore rupees more than the last financial year. This is not enough. Special focus has also been given on research in the budget. In the current financial year, the budget of the research department was Rs 3301 crore. It has been increased to 3900 crores. It has been announced that life saving medicines for some serious diseases will be cheaper, but availability of genuine medicines is very important. There has been a debate for a long time that the budget for education and health should be more or less 6 percent. Since inflation has been increasing, more or less 10 percent of the budget should be spent on health. This budget is less than 1 lakh crore, while the total budget is more than 50 lakh crore rupees. Calculate how much budget has been allocated for education and health.

The challenge of increasing the quality of education

The effort to adapt the education process in the country to the western world and run it on the same scale continued. The Englishism that was established as the single paradigm of knowledge and culture during the colonial period continued to dominate. The policies, plans, provisions and implementation of education adopted in independent India mostly followed the old path. It is no secret to anyone how important education is in making the society capable and competent. The campuses of education are laboratories for making a mature and creative human being. There the student gets initiation into the values ??of life. His personality is also formed there to a great extent. Since education in India has been surrounded by many challenges historically, its problems have accumulated. Indian politics has been sensitive towards education from different perspectives. As a result, political experiments have been taking place in education directly and indirectly. Since education is connected to both the present and future of the society, political interest in it is natural. After independence, secular vision became the foundation of education, which forgot, excluded or included in a distorted form many things that were Indian. The effort to adapt the education process to the western world and run it on its scale continued. The Englishism that was established as the single paradigm of knowledge and culture during the colonial period continued to dominate. The policies, plans, provisions and their implementation of education adopted in independent India mostly continued on the old path. We have not been able to recover from the western model adopted after independence. We kept making do with little manipulations. The result was that the talk of developing a holistic, inclusive and autonomous form of Indian education remained unfulfilled. In Amritkaal, India has resolved to develop the country by 2047, so that the country's strength increases in terms of economic, social, cultural and quality of life and it reaches the category of developed nations. For many years, there has been talk of spending six percent of the country's budget on education, but the actual expenditure is hardly even three percent. Education is the pivot of the wheel of development. Therefore, it deserves due importance in national planning. Today, the educational environment is being corrupted by the shortage of teachers and their non-academic aspirations. Incidents of paper leaks, the trend of plagiarism in research are increasing. Instead of increasing knowledge and innovation, the trend of repetition and copy-paste is spreading rapidly. Efforts are being made to acquire knowledge, but the quality of education is decreasing. The education in dilapidated schools, colleges and universities is not enough. To compensate for this, coaching institutes have become a popular and profitable business. Under its pressure, the mental health of students is being negatively affected. Equality and parity are necessary for the broad goals of public welfare, but education in India is becoming discriminatory in many ways. Today, government, semi-government and self-financed institutions are running. The fees, admission, study and examination methods are also mismatched. Educating a child has become a years-long struggle for parents. Education comes much later in the Union Budget. Compared to other countries of the world, six percent allocation for education has been advocated for many years. 98 lakh teachers in the country's 14.72 lakh schools provide education to 24.8 crore students. The Finance Minister has set a target of sending 100 percent of all children to school in the budget and special attention has been given to technical education and research, especially artificial intelligence. A provision of Rs 500 crore has been made for this. Apart from this, an allocation of Rs 681 crore has been made for Digital India e-learning. There will be 10 thousand additional seats in medical colleges. There is a plan to provide digital books for schools and higher education institutions. While expanding IITs, Rs 1.48 lakh crore has been allocated for additional infrastructure education, employment and skill development for five IITs. The challenge of school education is huge, but the budget of Navodaya Vidyalayas has been cut. The budget of Kendriya Vidyalayas, UGC, NCERT, Central Universities has increased. There has been an increase of 7.74 percent for higher education. Allocation in the field of education has increased by 6.65 percent. 2.5 percent of the total budget is allocated for education. Today, India has become the first in the world in terms of population, but resources are limited. There is a need to increase the educational network and infrastructure. The world has hopes from India as a young country, but it is important to employ this youth power. There is a strong desire to become a world leader, but we will be able to move forward only by making the youth civilized, well-educated and skilled. This can be done only by making education a moral and human enterprise in accordance with the country and time. It would be a mistake to leave humanity at the mercy of technical experts. Inclination towards digital, virtual and AI and neglect of humanities can give rise to imbalance. Humanities, literature, philosophy and history are also important, especially to enrich from moral and social point of view. Indian education should be strengthened in all these aspects.

Domestic investment should get priority, investment in research is very important

The basic process of economic development is determined by investment. For example, in the household budget, you have a question whether to buy a refrigerator or send the child to a good school for education? Buying a refrigerator is appropriate for immediate relief, but investing in the child's education is more important for long-term improvement. If you do not invest in the child's education, the future of the family can also hang in the balance. Finance Minister Nirmala Sitharaman deserves appreciation for the way she kept the fiscal deficit under control in the budget and expressed commitment to fiscal discipline. This will keep inflation under control and maintain stability in the economy. However, it cannot be ignored that our growth rate is under pressure. Compared to the economic growth of about eight percent for a few years, there is a possibility of growth of only 6.4 percent in the financial year 2024-25. Therefore, it was necessary to take steps to breathe new life into the economy. The Finance Minister has taken meaningful steps in this direction and has given huge income tax exemption to the lower and middle class. This will leave more money in the hands of the taxpayers and they will be able to consume goods and services from the market. This strengthens the possibility of the economy picking up pace again. However, giving income tax exemption will have a negative impact on the income of the government. Due to the contraction in government revenue, some expenses may have to be withdrawn. The basic process of economic development is determined by investment. For example, in the household budget, you are faced with the question whether to buy a refrigerator or send the child to a good school for education? Buying a refrigerator is appropriate for immediate relief, but for long-term improvement, investing in the child's education is more important. If investment is not made in the child's education, then the future of the family can also hang in the balance. In such a situation, the basic question before the Finance Minister was whether he should emphasize on buying a refrigerator or the child's education? Giving income tax exemption will leave money in the hands of the middle class, which people will use to buy refrigerators etc. This will increase the immediate demand in the market and the economic growth rate may improve. The other aspect of this is that there will be shortage of resources for the investment required for long-term development and security. According to the World Bank, India invested $23 billion in research in the year 2020-21. In comparison, China invested $432 billion and America invested $946 billion in research. Compared to India, China is investing almost 19 times the amount in research. India invests 0.65 percent of its income in research, while China invests 2.43 percent and America invests 3.46 percent. If we want to become a developed country and want to compete with countries like China, then investment in research is very important. No country can move forward without creating new technology. America's prosperity also rests on investment in research. The Indian budget is indifferent in this item. The Finance Minister should have increased the investment for research substantially. He has definitely increased the investment in nuclear energy, which is in the right direction. Similarly, the initiative to establish a fund of funds to support startups is also welcome. However, this also seems insufficient considering the need. Artificial Intelligence i.e. AI can be a major technology in the coming times. Investment in high speed bullet train, biotechnology etc. has also not been increased to the expected level. The situation is the same with defense expenditure. India spent $ 85 billion on defense in 2021, while China spent $ 302 billion and the US spent $ 930 billion. However, India is spending 2.3 percent of its total income in the defense sector, which is more than China's 1.7 percent. China's total expenditure figure is much larger because its GDP is about five times more than ours. The question before the Finance Minister was whether she would increase consumption or increase spending on research and defense, in which she decided to increase consumption. The economy will get immediate benefits from this, but in the long term, the huge increase in investment for research and defense sector could not be done. In this situation, the Finance Minister should have given some relaxation in the fiscal deficit. If instead of limiting the fiscal deficit to 4.4 percent, she had allowed it to increase a little, then we could have given income tax exemption as well as invested adequately in research and defense sector. The disadvantage would have been that increasing fiscal deficit can increase inflation. However, there is no need to be so afraid of inflation. Inflation has a major impact on foreign investment. Foreign investors see that if they invest today, the value of that investment will decrease tomorrow due to inflation. The Finance Minister should have given up the temptation of foreign investment and focused on domestic investment. Along with giving income tax exemption, she should have increased the allocation for research and development substantially.

कटघर रामगंगा पुल बंद होने से लोग परेशान, पैदल करना पड़ा सफर...जमा मस्जिद पुल पर जाम की स्थिति

मुरादाबाद। कटघर रामगंगा पुल का मरम्मत कार्य मंगलवार 12 बजे से शुरू हो गया है। मरम्मत के कार्य के चलते पुल पर वाहनों का आवागमन सुबह 8ः00 बजे बंद हो होना था। लेकिन वाहनों की

आवाजाही को 11ः45 पर बंद किया गया। दूर-दराज और बाहर से आने वाले वाहनों की भीड़ दोनों तरफ लगी रही है। पुल के दोनों ओर से लोग वापस लौटते के नजर आए, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।हनुमान मूर्ति तिराहे से बस तर्क और अन्य बड़े वाहनों को पंडित नगला की तरफ डायवर्ट किया गया है। दो पहिया वाहन और ऑटो रिक्शा कटघर रामगंगा पुल के ठोकर तक आ रहे हैं। रामगंगा नदी का पुल बंद होने से पहले दिन लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुल के दोनों तरफ इधर-उधर जाने वाले वाहनों ने यात्रियों को उतार दिया है। जहां से यात्रियों को पुल पैदल ही पार करना पड़ा। लंबा पुल होने के कारण लोगों ने बैठ-बैठ कर पुल के दूसरे किनारे का सफर तय किया। सबसे ज्यादा परेशानी का सामना छोटे स्कूली बच्चों को करना पड़ा। ताजपुर होते हुए जमा मस्जिद के पुल पर वाहनों की संख्या अचानक बढ़ने से जाम की स्थिति बन गई। जिससे महानगर के जामा मस्जिद मंडी चौक, इंद्रा चौक पर 12 बजे के बाद जाम लगाना शुरू हो गया। यातायात को बेहतर ढंग से सुचारू करने के लिए एसएसपी सतपाल अंतिल ने रामगंगा पुल के साथ ही शहरों की सड़कों को भ्रमण कर यातायात पुलिस को सतर्कता से ड्यूटी करने और पब्लिक को किसी प्रकार की कोई परेशानी न होने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि टीपी नगर में बनने वाला अस्थायी रोडवेज बस स्टैंड अब पाकबड़ा जीरो प्वाइंट पर एमडीए कार्यालय के सामने बनाया गया है। यहीं से रोडवेज बसों का संचालन किया जाएगा। 20 से 26 फरवरी तक खुलेगा पुल-जिलाधिकारी अनुज सिंह ने आने वाले शिव तेरस के पर्व भगवान भोले नाथ के जलाभिषेक के लिए पवित्र गंगा जल लेने जाने वाले कांवड़ियों के लिए 20 से 26 फरवरी तक रामगंगा पुल पर केवल कांवड़ियों के आने जाने के लिए पुल पर आवागमन को खोला जाएगा।

देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर रिपोर्ट दर्ज, हिंदू समाज की भावनाएं हुई आहात

मुरादाबाद। सोशल मीडिया पर देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में बजरंग दल कार्यकर्ता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। आगे कार्रवाई की जा रही है। नगर पंचायत पाकबड़ा के निवासी युवक इंस्टाग्राम पर फरमान मासूमी के नाम से आईडी चलाता है। जिसे पता करने पर पता चला कि फरमान पुत्र वसीम निवासी कस्बा पाकबड़ा द्वारा ही चलाया जा रहा है। फरमान द्वारा लगातार हिंदू देवी-देवताओं को आपत्तिजनक शब्द बोलते हुए हिंदू धर्म को नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है। इस प्रकार की वीडियो से समस्त हिंदू समाज की भावनाएं आहात हुई है। इसके संबंध में बजरंग दल के कार्यकर्ता राहुल ठाकुर पुत्र जगदीश के द्वारा थाने में तहरीर दी गई थी। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। आगे की कार्यवाही जल्द ही करते हुए युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

स्वच्छता की शपथ आत्मसात कर दूसरों को भी करें प्रेरित स्वच्छता में कमी के लिए केवल सरकारी सिस्टम को कोसने से काम नहीं चलेगा, हर नागरिक बने जिम्मेदार व जवाबदेह

मुरादाबाद। नगर निगम की ओर से मंगलवार को पंचायत भवन सभागार में स्वच्छ भारत मिशन कार्यशाला मंथन का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन अपर नगर आयुक्त प्रथम अतुल कुमार, अपर नगर आयुक्त द्वितीय अजीत कुमार ने भाजपा नेत्री प्रिया अग्रवाल, आचार्य धीरशांत अर्द्धमौनी व अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। अपर नगर आयुक्त द्वितीय अजीत कुमार ने कहा कि जनसहभागिता से ही स्वच्छता के प्रयास सफल होंगे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की शपथ को लेना ही नहीं उसे आत्मसात कर दूसरों को भी प्रेरित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पूर्ण स्वच्छता के लिए अपने घर व गली मोहल्ले के अलावा अपने शहर व प्रदेश देश को भी साफ रखना होगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता में कमी के लिए केवल नगर निगम या अन्य किसी सरकारी सिस्टम को कोसने से काम नहीं चलेगा। इसके लिए हर नागरिक को जिम्मेदार व जवाबदेह होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कूड़ा खुले में न फेकें। उन्होंने बताया कि हर घर से प्रतिदिन एक से डेढ़ किलो कूड़ा प्रतिदिन निकलता है। इसे सेग्रीगेट कर निगम के कूड़ा वाहनों में डालें। गीला व सूखा, जैविक व अजैविक कूड़े और ई-कचरा को अलग रखें। उन्होंने जन सहभागिता को स्वच्छता के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया। परिवर्तन द चेंज संस्था के संस्थापक कपिल कुमार ने संस्था के द्वारा स्वच्छता के लिए किए जा रहे कार्य की जानकारी दी। उन्होंने सेंसिबल बाइंग अर्थात समझदारी से खरीददारी के लिए जागरूक किया। बताया कि रिसाइकिल सामग्री या बड़े पैकेट वाले चिप्स या अन्य पैकेट वाले खाद्य सामग्री खरीदने की जानकारी दी। मंथन थीम पर आयोजित कार्यशाला में मेरा शहर, मेरी जिम्मेदारी को साकार करने के लिए सभी ने प्रतिबद्धता जताई। विद्यालय की छात्राओं ने मां शारदे की वंदना की। इसमें स्वच्छ सर्वेक्षण व नगर निगम की ओर से महानगर के 70 वार्डों में किए जा रहे सफाई अभियान के बारे में डाक्यूमेंट्री के माध्यम से जानकारी दी गई।घरों व प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे के रियूज, रिड्यूस और रिसाइकिल के लिए थ्री आर सेंटर व इसके लिए सिस्टम के बारे में बताया गया। एमआरएफ सेंटर की प्रक्रिया समझाई गई। गौतम बुद्ध पार्क में वेस्ट अवेयरनेस सेंटर आदि की महत्ता बताई गई। ट्रंचिंग ग्राउंड पर कचरा हटाकर कई पर्यावरण हितैषी कार्य किए जाने की जानकारी दी गई। एसटीपी से निकले रिसाइकिल प्लांट से निकले पानी से स्प्रिंकलर मशीन से पौधों पर पानी डालने व नगर निगम के वाहनों की धुलाई की जा रही है। नगर आयुक्त ने अपने संदेश में बताया कि 7 स्टार रेटिंग के लिए नगर निगम प्रशासन ने आवेदन किया है। इसमें नागरिकों को जागरूक कर उनसे सहयोग देने की अपील की गई है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम बोले-जया बच्चन से पहले केवल अमिताभ बच्चन परेशान थे, अब पूरी संसद व सनातनी

वफ्फ बोर्ड पर औवेसी के बयान को बताया भड़काऊ, बोले उनके अंदर घूम रही जिन्ना की रूह

मुरादाबाद। मुरादाबाद। महाकुंभ और वक्फ बोर्ड पर बयान को लेकर कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राज्यसभा सांसद जया बच्चन और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर पलटवार किया। आचार्य प्रमोद कृष्णम मंगलवार को पीएमस स्कूल के पास आयोजित एक धार्मिक आयोजन के समापन कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत की। महाकुंभ को

लेकर चल रही बयानबाजी पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा ये देश की विडंबना है कि हमारे देश में कुछ ऐसे लोग है, जिन्हें न भारत से प्यार है न संस्क्रति से है,जो भारत और सनातन के लिए खतरनाक है,उन्हें करोड़ों लोगों की आस्था दिखाई नहीं दे रही है, उन्हें सिर्फ आलोचना दिख रही है। राज्यसभा सांसद जया बच्चन पर द्वारा महाकुंभ में हुआ हादसे में हुई मौतें को लेकर दिए बयान पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जया बच्चन से अब तक अमिताभ बच्चन दुखी थे, अब पूरा सनातन दुखी हो जाये वो ऐसा प्रयास कर रहीं है। भारत की संसद उनसे दुखी है। वह भगवान और गंगा मैय्या से प्रार्थना करते हैं कि जया बच्चन जी को सदबुद्धि दें। वह बड़ी कलाकार रही हैं उसी तरह एक अच्छे सनातनी की तरह व्यवहार करें,नास्तिकों और वामपंथियों की तरह व्यवहार न करें। वफ्फ बोर्ड पर असदुद्दीन औवेसी के बयान पर कहा ओवैसी इस देश को तोड़ना चाहते हैं, वो पढ़े लिखे वकील है, वो संसद के सम्मानित सदस्य है लेकिन अफसोस उनके अंदर कुछ दिनों से जिन्ना की रूह घूम रही है। ओवैसी से दरख्वास्त है वो अपने भीतर से जिन्ना की रूह को निकालें। और अगर नहीं निकाल पाते है तो वो पाकिस्तान में जाकर सियासत करें, वहां चुनाव लड़ें।

हैलो पुलिस! मैंने दो लोगों की हत्या कर दी, जल्दी आओ

गांव में सनसनीखेज वारदात से तनाव का माहौल, भारी संख्या में पुलिस बल तैनात, हत्यारोपी गिरफ्तार...दो हत्याओं की सूचना मिलने से पुलिस में हड़कंप, सीओ ठाकुरद्वारा भी तत्काल पहुंचे मौके पर

मुरादाबाद। थाना डिलारी के दौलावाला गांव में सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने के आरोपी जसवंत ने बेटी और उसके प्रेमी की हत्या करने की बात स्वयं ही पुलिस को बताई थी। उसने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन मिलाकर बताया था कि उसने दो लोगों की हत्या कर दी है, जल्दी आकर उसे गिरफ्तार कर लिया जाए। गौरतलब है कि डिलारी के दौलावाला गांव में रविवार की रात कोहराम मचा रहा। जसवंत कश्यप ने अपनी पुत्री के साथ गांव के रोहित पर लोहे की रॉड से हमला करके लहूलुहान कर दिया था। रोहित की काशीपुर के अस्पताल में मौत हो गई, जबकि युवती की हालत बेहद गंभीर है। उसका उपचार मेरठ मेडिकल कालेज में किया जा रहा है। दरअसल, ग्रामीण रात का खाना खाने के बाद टहल रहे थे और झुंड बनाकर आपसी बातचीत में लगे थे। इसी दौरान जसवंत के घर से चीख-पुकार सुनाई देने पर सभी हैरान हुए और उसके घर के आसपास पहुंच गए थे। रोहित के

पिता गेंदा सिहं चौहान के मुताबिक गांव के यासीन, उनके पुत्र सौरभ, सचिन व लवकुश ने घटना को देखा है। ग्रामीणों का कहना है कि जसवंत ने मकान का गेट अंदर से बंद कर रखा था और काफी खटखटाने पर भी उसने गेट नहीं खोला। ग्रामीणों ने उसके घर में घुसने की कोशिश की तो उन्हें भी अंजाम भुगतने की धमकी दे दी थी। पुलिस सूत्रों का कहना है कि जसवंत ने दोनों को मरा जानकर पुलिस कंट्रोल रूम को फोन करके बताया कि उसने दो लोगों की हत्या कर दी है, लाशें घर में मौजूद हैं, पुलिस लाशें उठाकर ले जाए। इस सूचना पर हड़कंप मच गया और थाने से पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई थी। सीओ कटघर ने भी मौका मुआयना किया था। इस दौरान युवती को उपचार के लिए मेरठ व रोहित को काशीपुर के निजी नर्सिंग होम में ले जाया गया। पुलिस ने मौके से जसवंत को गिरफ्तार करने के बाद हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड को बरामद कर लिया है। घटना की जानकारी होने पर सोमवार को एसपी ट्रैफिक सुभाष चंद्र गंगवार ने भी मौका मुआयना किया और रोहित के परिवार समेत ग्रामीणों से पूछताछ भी की है। मामला एक ही समुदाय की अलग-अलग बिरादरी का होने के कारण गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकरी ठाकुरद्वारा अमरिंदर सिंह फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि गांव में तनाव की स्थिति को भांपते हुए एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। आरोपी जसवंत को गिरफ्तार कर लिया गया है। रोहित यूपीएससी की तैयारी भी कर रहा था। बेटे को आईपीएस अधिकारी बनाने का सपना देखने वाले गेंदा सिंह के परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस का कहना है कि घायल युवती की हालत नाजुक बनी हुई है तथा वेंटिलेटर पर मौत और जिंदगी से संघर्ष कर रही है। सिर पर गहरी चोटें आने से हुई रोहित की मौत- झूठी शान के लिए ग्रामीण जसवंत के सिर पर खून सवार हो गया था। गुस्से में आगबबूला हुए जसवंत ने लोहे की रॉड से रोहित व पुत्री पर ताबड़तोड़ वार किए थे। रोहित के सिर पर गहरी चोटें आयी थी जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रोहित की मौत के कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि रोहित के शरीर पर करीब सोलह जगह लोहे की रॉड से हमला किया गया था। उसके सिर में करीब आठ-दस चोटें लगी थी जबकि एक खून आलूदा चोट माथे पर पर भी। पोस्टमार्टम में साफ हुआ कि सिर में गहरी चोट लगने से रोहित की मौत हुई है। इसके अलावा रोहित के दोनों हाथों और दोनों टांगों पर भी लोहे की रॉड लगने से जख्म हो गए थे।

संक्षिप्त समाचार

पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से कुष्ठ रोग के बारे में किया जागरूक

समय पर इलाज से पूर्ण रूप से ठीक हो सकता है कुष्ठ रोगः डा. भास्कर अग्रवाल

मुरादाबाद। मुरादाबाद। विकसित भारत अभियान के अंतर्गत चल रहे स्पर्श कुष्ठ जागरूकता कार्यक्रम व कुष्ठ पखवाड़ा के अंतर्गत मंगलवार को केजीके महाविद्यालय में कुष्ठ रोग

जागरूकता के लिए पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें एनसीसी छात्रा इकाई की कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। कैडेट्स ने महाविद्यालय में कुष्ठ रोग के विषय में जन सामान्य को जागरुक करने के उद्देश्य से पोस्टर बनाए और स्लोगन लिखे। जिला कुष्ठ परामर्शदाता डॉ. भास्कर अग्रवाल ने कैडेट्स को कुष्ठ रोग के विषय में जानकारी दी। बताया कि यह रोग असाध्य नहीं है, यदि सही समय पर इसका इलाज किया जाए तो यह पूरी तरह से ठीक हो सकता है। इसलिए इससे भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है,बस हमें समाज को जागरूक करना है जिससे भारत को इससे मुक्त कराया जा सके। कैडेट्स ने कुष्ठ रोगियों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए प्रतिज्ञा ली कि सभी मिलकर इस रोग से सम्बंधित भ्रांतियों को दूर करेंगे और यह प्रयास करेंगे कि कोई कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति पीछे नहीं छूट जाये। प्राचार्य प्रोफेसर सुनील चौधरी ने कहा कि हम सभी को आगे बढ़ कर अपने स्तर से इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। जिससे समाज को पूरी तरह से कुष्ठ रोग से मुक्त कराया जा सके। एनसीसी प्रभारी कैप्टन (प्रोफेसर) ममता सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य एनसीसी कैडेट्स के माध्यम से जन-जागरूकता लाना है।पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंशू कुमारी, द्वितीय स्थान प्रिया और तृतीय स्थान उजाला को प्राप्त हुआ। डॉ भास्कर अग्रवाल ने तीनों कैडेट्स को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में अंशू ,उजाला, नेहा, मोनिका, स्वाति, नेहा सैनी, रिमझिम, आंचल, आंचल ठाकुर आदि कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। कैप्टन प्रोफेसर ममता सिंह ने कैडेट्स को बधाई दी।

पति के बाहर जाने पर प्रेमी के साथ फरार हुई पत्नी, ढाई लाख रुपए भी ले गई...चार साल से चल रहा था अफेयर

मुरादाबाद। पति के बाहर जाने के बाद प्रेमी संग फरार हुई पत्नी। नगर निवासी पति बीते कुछ समय से अपनी पत्नी के साथ मुरादाबाद के एक मोहल्ला में किराए के मकान में रह रहा था। जहां से उसकी गैर मौजूदगी में पत्नी मौका देखकर अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। पति ने कुंदरकी थाने में शिकायती पत्र देते हुए बताया है कि बीती 1 फरवरी को किसी काम के चलते वह दिल्ली गया था। दिल्ली पहुंचने के बाद 2 फरवरी को जब उसने पत्नी का फोन लगाया तो नंबर बंद आया। कुछ समय के बाद नंबर दोबारा लगाया तो फिर भी नंबर बंद आया इसके बाद वह समय-समय पर लगातार नंबर लगाता रहा लेकिन पत्नी का नंबर बंद आता रहा। नंबर बंद होने के चलते वह घबरा गया और दिल्ली से वापस मुरादाबाद लौट आया। घर पहुंचने पर पत्नी नहीं मिली तो उसने तलाशना शुरू कर दिया। काफी तलाश करने के बाद उसे पता चला कि पत्नी मैनाठेर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई है। पति ने आरोप लगाया है कि करीब बीते चार सालों से पत्नी और आरोपित का अफेयर चल रहा है। जिसके चलते उसकी गैर मौजूदगी का फायदा उठाते हुए आरोपित पत्नी को बहला फुसला कर अपने साथ भगा ले गया है। पति ने पत्नी पर घर में रखी ढाई लाख रुपए की नगदी भी साथ ले जाने का आरोप लगाया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

छात्र-छात्राओं ने किया शैक्षिक भ्रमण पहुंचे आईवीआर बरेली

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

बरेली ।महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय बरेली के बी.एड. विभाग द्वारा 62 छात्रों के शैक्षणिक विकास हेतु एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन आई.वी.आर.आई. बरेली में किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्र-छात्राओं के प्रशिक्षण में व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना और बाहरी वातावरण में जाकर व्यवहारिक रूप से सीखने का अवसर प्रदान करना था। इस भ्रमण के दौरान छात्रों ने विभिन्न शैक्षिक स्थलों, संग्रहालय, रिसर्च सेन्टर का दौरा किया, जहां उन्होंने आई.वी.आर.आई. वैज्ञानिक रवि प्रकाश ने छात्र -छात्राओं को घायल पशुओं की चिकित्सा सम्बन्धी जानकारी दी।विभागाध्यक्ष, भ्रमण समन्वयक और शिक्षकों ने छात्रों को मार्गदर्शन दिया और भ्रमण को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छात्रों ने भी इस भ्रमण से जुड़े अपने अनुभव साझा किए और इसे ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया। प्राचार्य डा. सौरभ अग्रवाल ने कहा ऐसे शैक्षिक भ्रमण छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं, क्योंकि वे पाठ्यपुस्तकों से बाहर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करतें हैं।महाविद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों के आयोजन की प्रतिबद्धता जताई। इस मौके पर अकादमिक अधिकारी डा. मीनाक्षी चन्द्रा, बी.एड. विभाग के विभागाध्यक्ष डा. कमल किशोर मेहरोत्रा, उपमा गुप्ता ,नमिता गुप्ता , नगमा बी सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

ग्राम गौसगंज की मुस्लिम महिलाएं न्याय की आस में मिली जिलाधिकारी से

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली - ग्राम गौसगंज में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच 19 जुलाई 2024 को हुए विवाद के बाद गाँव में मुस्लिम महिलाएं न्याय की गुहार लगा रही हैं। इस विवाद के दौरान हिंदू समाज के लोगों ने तत्काल कार्यवाही की, जिसके परिणामस्वरूप थाना शाही में मुकदमा अपराध संख्या 217/2024, बनाम अब्दुल आदि धाराओं में दर्ज किया गया।ग्राम गौसगंज की मुस्लिम आबादी लगभग 40-45 घरों की है, जिसमें से 70-75 लोगों को जेल भेज दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप गाँव की मुस्लिम महिलाओं को उनके घरों से बाहर निकाल दिया गया है। की महिलाएं अपने घरों में वापस जाना चाहती हैं, लेकिन पुलिस द्वारा उन्हें उनके घरों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इन महिलाओं ने कई बार वरिष्ठ अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिया लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। महिलाओं ने जिलाधिकारी से अपील की है कि उन्हें उनके घरों में सुरक्षित पहुँचाने के आदेश दिए जाए। इस दौरान जिला अधिकारी के पास आई शेफौकन वेगम. शाहाना बेगम, नईमा महिलाएं अपने परिवारों के साथ फिर से अपने घरों में बसने को आस लगाए हुए है। उन्होंने जिलाधिकारी से आग्रह किया है कि उन्हें जल्द से जल्द न्याय दिलाया जाए। आपको बताते चलें कि युवक की मौत के बाद आया था उबाल गौसगज में हिंदू मुस्लिम झड़प के दौरान एक युवक की मौत हो गई थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों के घर पर बुलडोजर चला दिया था इस बार पुलिस ने गांव को छावनी में तब्दील कर दिया था उसके बाद पुलिस ने आरोपियों को पकड़ कर जेल भेज दिया ।

कन्याओं को दिए वैवाहिक उपहार कन्या कल्पना को दिया रानी सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली - मानव सेवा क्लब के तत्वावधान में मंगलवार को रामपुर गार्डन में अग्रसेन पार्क के पास प्रदीप माधवार के आवास पर कन्याओं को वैवाहिक उपहार भेंट किये गए। बेटी कल्पना को रानी स्मृति सम्मान दिया गया। सम्मान स्वरूप कन्या को गृहस्थी का वह सारा सामान दिया गया जो उसकी जीवन नैय्या पार लगाने में सहयोगी रहेगा।इसके अतिरिक्त 4 और कन्याओं को जरूरत का सामान बांटा गया और बारातियों के लिए भोजन का भी प्रबंध किया गया। क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र बीनू सिन्हा ने बताया कि अब तक 724 कन्याओं की शादी मानव सेवा क्लब करा चुका है। कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र बीनू सिन्हा, प्रदीप माधवार,प्रकाश चंद्र सक्सेना, सुनील कुमार शर्मा,जितेंद्र सक्सेना,इंद्रदेव त्रिवेदी,राज कुमार सक्सेना,कविता सक्सेना, उमेश कुमार गुप्ता, इं. के.बी.अग्रवाल,पवन सक्सेना, संजय सक्सेना, सुधीर मोहन,निर्भय सक्सेना, मधुरिमा, अनिता मुकेश, अमित सक्सेना, सक्सेना ,शचीन्द्र सक्सेना,हर्ष अग्रवाल,ए.एस.अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल,असित रंजन,पीयूष गुप्ता,प्रदीप आडवाणी, विकास बंसल,आर.के.वार्ष्णेय, एन. के.प्रधान,प्रभात सक्सेना सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

अमरिया ब्लॉक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बैठक की गई

क्यूँ न लिखूँ सच -सुमित गुप्ता

पीलीभीत विकास खंड अमरिया ब्लॉक सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार के प्रतिनिधि तहसील प्रभारी चमकोर सिंह की बैठक सम्पन्न हुई बैठक में प्रधानमंत्री आवास के अभी तक इस योजना से वंचित रह गए थे। इसके लिए सरकारी कर्मचारी डोर-टू-डोर सर्वे कर रहे हैं। इस सर्वे में कई विभागों के कर्मचारी तैनात किए गए हैं, जो घर-घर जाकर लाभार्थियों की पहचान कर रहे हैं। इस अभियान को लेकर गांवों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पहले भी लाखों गरीबों को घर उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन तब भी कई पात्र लाभार्थी इससे वंचित रह गए थे। अब सरकार ने ऐसे लोगों की नई सूची तैयार करने के लिए दोबारा सर्वे शुरू किया है। इस सूची के आधार पर 2029 तक सभी पात्र लोगों को आवास दिया जाएगा। चमकोर सिंह ने कहा ग्राम पंचायत में ईमानदार लोगों की पांच सदस्य की समिति बनाकर सर्वे कराई जाए। ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह ने कहा कोई भी व्यक्ति आवास से वंचित न रहे सभी गरीबों को मिलना चाहिए सचिव राम प्रकाश वीरेंद्र गंगवार, अमित दुवे, राकेश, राधेश्याम एडीओ तेज बहादुर,चंद्रपाल ग्राम प्रधान मंगली प्रसाद शेर सिंह रिजवान अहमद लालता प्रसाद जीसुख लाल और भी ग्राम प्रधान सर्वेक्षणकर्ता मौजूद रहे

कृत्रिम गर्भाधान एवं दुधारू पशुओं में बांझपन संबंधित पांच दिवसीय प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली -भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज्जतनगर के पशु पुनरूत्पादन विभाग और संयुक्त निदेशक विस्तार द्वारा के सम्मिलित प्रयास से कृत्रिम गर्भाधान और दुधारू पशुओं मै बांझपन के प्रबंधन के बारे में 5 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन ओडिशा से आए 25 पशुचिकित्सा अधिकारियों के लिए किया गया। यह प्रशिक्षण पूर्णतया ओडिशा सरकार द्वारा प्रायोजित है और इस प्रशिक्षण मै कुल 25 पशुचिकित्सा अधिकारी आए हुए है इसमें 21 पुरुष पशुचिकित्सा अधिकारी और 4 महिला पशु चिकित्सा अधिकारी है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है पशुओं मै दुग्ध के साथ बांझपन की समस्या उत्पन्न होती जा रही है, तो इस समस्या का कैसे बेहतर निदान किया जा सके और साथ ही साथ कृत्रिम गर्भाधान मै क्या क्या बारीकियों को ध्यान रखकर गर्भाधान दर को बढ़ाया जा सके। प्रशिक्षण के मुख्य अतिथि डॉ संजय कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक, शोध ने उद्बोधन मै कहा कि कृत्रिम गर्भाधान एक पुरानी तकनीक जरूर है लेकिन आज भी बहुत प्रासंगिक है इसको हमे ज्यादा से ज्यादा जानवरों तक पहुंचाना चाहिए इसकी पहुंचको बढ़ाना चाहिए। इससे जो जर्मप्लाज्म है उसमें काफी सुधार होगा जब जर्मप्लाज्म मै सुधार होगा तो प्रजनन भी बढ़ेगा। उन्होंने यह भी कहा एनेस्ट्रस और रिपीट ब्रीडर्स जो बांझपन के मुख्य कारण है आपको यहां उसके बारे में अच्छे से बताया जाएगा।डॉ हरिंद्र कुमार, प्रोफेसर एमेरिटस, पशु पुनरूत्पादन विभाग, ने संक्षिप्त उद्बोधन मैं बताया कि ज्ञान कौशल और नजरिया के बारे में दुधारू पशु मै प्रजनन और प्रबंधन बहुत जरूरत है और इसी के द्वारा ही जर्मप्लाम सुधार कर सकते है। डॉ मिराज हैदर खान, विभागाध्यक्ष, पशु पुनरूत्पादन विभाग, ने क़ज़ा कि कि ओडिशा का दुग्ध उत्पादन मै योगदान एक प्रतिशत है इसके लिए कई कारण हो सकते है। पशुओं का स्वास्थ्य, पोषण रखरखाव और उनमें से खासतौर पर जीनोटाइप का भी बहुत असर होता है इसलिए कृत्रिम गर्भाधान के द्वारा जर्मप्लाम या नस्ल सुधार के कार्यक्रम को बढ़ाकर के ओडिशा के पशुओं मै बांझपन को कम किया जा सकता है बल्कि उत्पादकता को भी बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ ब्रिजेश कुमार, वैज्ञानिक, पशु पुनरूत्पादन विभाग, के द्वारा किया गया और साथ ही साथ इस प्रशिक्षण प्रोग्राम के कॉर्डिनेटर, डॉ नीरज श्रीवास्तव, डॉ एस के घोष, भी इस दौरान मौजूद रहे।

कृषि विभाग की खाद और बीज की 11 दुकानों पर छापामारी, लाइसेंस किए निरस्त

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली - कृषि विभाग ने मीरगंज तहसील क्षेत्र में खाद और बीज की 11 दुकानों पर छापा मारा। जांच के दौरान ओवररेटिंग, अधूरे दस्तावेज और दुकान बंद कर भागने जैसी अनियमितताएं पाई गईं, जिसके चलते सात दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। वहीं, चार दुकानों से खाद और बीज के नमूने लिए गए। छापेमारी के दौरान इलाके में अफरातफरी मच गई, और कई दुकानदार शटर गिराकर फरार हो गए।जिला कृषि अधिकारी रितुषा तिवारी के नेतृत्व में यह छापेमारी गांव हुरहुरी, धनेटा, मिर्जापुर और शाही में की गई। टीम ने दुकानों में खाद का स्टॉक, बोरियों की गुणवत्ता और बिक्री दरों की जांच की। इस दौरान चार दुकानों से खाद और बीज के सैंपल भरकर लैब टेस्ट के लिए भेजे गए। छापेमारी के दौरान कुछ दुकानदार शटर गिराकर भाग गए, जबकि कुछ के पास आवश्यक दस्तावेज अधूरे मिले। इस पर गांव हुरहुरी की गंगवार कृषि सेवा केंद्र, श्री खाटूश्याम फर्टिलाइजर, ओम पेस्टिसाइड एंड फर्टिलाइजर, जयशिव बीज भंडार और बालाजी खाद भंडार का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। इसके अलावा, मिर्जापुर के एग्री जंक्शन वन स्टॉप शॉप और रजा कृषि सेवा केंद्र पर भी अनियमितताएं पाई गईं, जिसके चलते इनके लाइसेंस भी निलंबित कर दिए गए। कड़ी कार्रवाई की चेतावनीजिला कृषि अधिकारी रितुषा तिवारी ने बताया कि जिले में खाद और बीज की ओवररेटिंग और कालाबाजारी को रोकने के लिए टीमें अलर्ट मोड में हैं। अगर कोई भी विक्रेता मानकों के विपरीत भंडारण या अवैध बिक्री करता पाया गया, तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। कृषि विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य दुकानदारों में हड़कंप मच गया है, और अधिकारी लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने 10 से 12 बजे के दौरान जनसुनवाई में सुनी जनसमस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

संबंधित अधिकारियों को आईजीआरएस व जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों का ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के दिए निर्देश जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने आज प्रत्येक दिवस की भांति कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान जन सामान्य की शिकायतों को सुना और सम्बंधित अधिकारियों को शिकायतों का ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये। जन समस्याओं को समस्त सम्बंधित अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि आमजन की शिकायतों को सुनकर शत प्रतिशत उनका निराकरण किया जाये। जनसुनवाई के दौरान कहा कि जमीन से संबंधित समस्या को पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम के द्वारा तत्काल मौके पर जाकर निस्तारण कराएं। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के दौरान जो भी शिकायतें आ रही है उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय सुनिश्चित कराएं और शिकायतकर्ता निस्तारण से संतुष्ट होना चाहिए ।।

ज़हरखुरानी गिरोह ने युवक को बातों में फंसा कर युवक को कोल्डड्रिंक में जहर देकर पर्स में रखे रूपये कीमती सामान ब मोबाइल लूटा

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली - जिला लखीमपुर थाना खीरी के गांव झासियां का रहने वाला 25 वर्षीय सुधीर ने बताया शनिवार शाम अपने घर से आंवला मनोना धाम मंदिर दर्शन करने गया था तभी सोमवार को ऑटो से लौट कर घर को वापस आ रहा था तभी ऑटो में बैठे कुछ अज्ञात जहरखुरानी ने बातों में फंसा कर दोस्ती कर ली और कोल्ड्रिंग में जहरीला पदार्थ दे दिया हालत बिगड़ने पर कोतवाली क्षेत्र के गांधी उद्यान के पास छोड़कर फरार हो गए जेब में रखें पैसे मोबाइल आधार कार्ड एटीएम लेकर फरार हो गए राहगीरों द्वारा इसकी जानकारी पुलिस को दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेश की मदद से घायल बेहोश युवक को अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका उपचार चल रहा है हालत नाजुक बनी हुई है ।।

बरेली कालेज बरेली में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ समापन

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। बरेली कॉलेज बरेली के प्राचार्य प्रोफेसर ओ 0पी0 राय के संरक्षण में राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र इकाई द्वितीय एवं तृतीय के समापन समारोह का आयोजन सेमिनार हॉल में किया गया जिसमें महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर प्रो आलोक खरे, वरिष्ठ प्रोफेसर ए सी त्रिपाठी एवं परीक्षा नियंत्रक प्रो राजेंद्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही जिसके अंतर्गत स्वयंसेवकों ने एनएसएस लक्ष्य गीत गाकर के कार्यक्रम को शुभारंभ किया। इसके उपरांत कार्यक्रम अधिकारी डॉ बृजवास कुशवाहा ने सात दिवसों के अंतर्गत किए गए विभिन्न दिन रात के शिविर कार्यक्रमों जिसमें स्वच्छ एवं हरित भारत, डिजिटल साक्षरता, यातायात एवं सड़क सुरक्षा, कुष्ठ जागरूकता, डिजिटल अरेस्ट आदि की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर खरे ने स्वयंसेवकों को शिविर के दौरान किए गए सामाजिक एवं पुनीत कार्यों की सराहना करते हुए जीवन में सदैव अनुकरण करने के लिए प्रेरित किया। प्रो त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर स्वयंसेवकों को समाज के उन लोगों से रुबरु होने का अवसर देता है । ऐसे में समाज से सांगठनिक रूप से जुड़कर स्वयंसेवक के रूप अपने भीतर संवेदनाओं को उत्पन्न करके उनके प्रति संवेदनशील होना ही इस मंच की सार्थकता का प्रमाण होता है जो यहां प्रतीत होता दिख रहा है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ यशार्थ गौतम के द्वारा कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों, शिक्षकगण कर्मचारीगण एवं मीडिया कर्मियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए स्वयसेवकों को अनुशासित रहते हुए जीवन के प्रगति पथ पर निरंतर अग्रसर होने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डॉ सूर्य प्रकाश राव, डॉ विवेक त्रिपाठी एवं स्वयंसेवकों में मयंक, तरुण, महावीर, रत्नेश, अनुज, सचिन, अंकित, आलोक, कमल, आदित्य, विनय, आदर्श आदि मौजूद रहे।

गाजीपुर में भीषण हादसा: पिकअप ने बाइक सवार चचेरे भाइयों को कुचला, दोनों की मौत; बच्ची को लिए दूर जा गिरी बहन

गाजीपुर जिले में मंगलवार को बड़ा हादसा हुआ। पिकअप ने बाइक सवार लोगों को कुचल दिया। जिससे दो भाइयों की मौत हो गई। जबकि उस पर बैठी बहन अपनी बच्ची के साथ दूर जा गिरी।

गाजीपुर जिले के नंदगंज थाना क्षेत्र के रामपुर बंतरा हाईवे कट के समीप मंगलवार को पिकअप ने बाइक सवार दो चचेरे भाइयों को कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक का वरछा कार्यक्रम बुधवार को होना था, जिसके लिए वह अपनी बहन की विदाई कराकर चचेरे भाई के साथ बाइक से घर जा रहा था।ये है मामला-रामपुर बंतरा निवासी रजनीश (24) का पांच फरवरी को वरक्षा था। इसके लिए वह अपनी बहन साधना (28) की विदाई कराने के लिए अपने चचेरे भाई तेज बहादुर (30) के साथ उसके घर खानपुर थाना क्षेत्र के नेवादा गया था। बहन अपनी दो साल की बच्ची को लेकर भाइयों के साथ बाइक से घर आ रही ही।दो साल की बच्ची के साथ छिटककर दूर जा गिरी बहन-वाराणसी-गाजीपुर फोरलेन पर नंदगंज थाना क्षेत्र के रामपुर बंतरा हाईवे कट के समीप पहुंचे थे कि गाजीपुर की तरह से आ रही एक खाली पिकअप अनियंत्रित होकर सामने से बाइक सवार यात्रियों पर चढ़ गई। हादसे में बाइक सवार दोनों चचेरे भाई गाड़ी के नीचे ही फंस गए। जबकि साधना अपनी दो वर्ष की बच्ची के साथ छीटकर दूर जा गिरी। हालांकि डिवाइडर से टकराने के कारण साधना का सिर फट गया।हादसे के बाद आसपास के लोग दौड़े और आनन-फानन गाड़ी को पलटकर अंदर दबे दोनों चचेरे भाइयों को बाहर निकाला। घायलों को मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों चचेरे भाइयों को मृत घोषित कर दिया। जबकि बहन साधना का इलाज चल रहा है।

बेटी का सिर लोहे की रॉड से कुचला... मौके पर ही मौत, फिर पिता ने निगल लिया जहर, प्रेम प्रसंग से था नाराज

संभल के अशरफपुर गांव में पिता ने बेटी को प्रेमी से बात करते देख लोहे की रॉड से सिर कुचलकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने जहर खा लिया, जिसे गंभीर हालत में मेरठ रेफर किया गया।

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।संभल के ऐंचोड़ा कंबोह थाना क्षेत्र के गांव अशरफपुर में मंगलवार को ऑनर किलिंग का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया। यहां एक पिता ने प्रेम-प्रसंग के चलते अपनी बेटी की लोहे की रॉड से सिर कुचलकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ रेफर किया गया है।मृतका की मां के मुताबिक, बेटी ने पिछले वर्ष इंटर की परीक्षा पास की थी। वह गांव के ही जीतू पुत्र मुकेश से प्रेम करती थी। कई बार परिजनों ने उसे प्रेमी से फोन पर बात करते हुए देखा और उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी। मंगलवार दोपहर बेटी घर के आंगन में चारपाई पर लेटी हुई फोन पर प्रेमी से बात कर रही थी।इसी दौरान उसके पिता ने उसे देख लिया। गुस्से में आग-बबूला होकर पास में रखी लोहे की रॉड से बेटी के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। शोर सुनकर मां छत से नीचे आई तो बेटी को खून से लथपथ हालत में चारपाई पर पड़ा पाया। इसके बाद आरोपी पिता ने कानूनी कार्रवाई के डर से घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन उसे इलाज के लिए सीएचसी असमोली ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल संभल और फिर मेरठ रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस के साथ अपर पुलिस अधीक्षक श्रीशचन्द्र और क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप सिंह मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जरूरी सबूत जुटाए। मृतका का शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। मृतका छह भाई-बहनों में पांचवें नंबर की थी। इस दौरान मृतका की मां पुलिस अधिकारियों से अपने पति को बचाने की गुहार लगाती रही। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अयोध्या: भक्तों की वजह से 18 घंटे खुल रहा है मंदिर, महज पांच घंटे के लिए रामलला को मिलता है विश्राम

महाकुंभ की वजह से अयोध्या में भारी भीड़ बनी हुई है। सभी भक्तों को दर्शन मिलें इसके लिए मंदिर के मंदिर के खुलने की टाइमिंग बढ़ा दी गई है। वसंत पंचमी पर प्रयागराज में डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालुओं का प्रवाह अयोध्या की ओर हो रहा है। मंगलवार को भी सात लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। आने वाले श्रद्धालुओं में रामलला के दर्शन की सबसे ज्यादा ललक दिख रही है। इसी के चलते रामलला सिर्फ पांच घंटे ही विश्राम कर रहे हैं। राम मंदिर 18 घंटे तक खुल रहा है। रोजाना तीन लाख से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर पर माथा टेक रहे हैं।प्रयागराज से आ रहे

श्रद्धालुओं ने मंगलवार को पावन सलिला सरयू में डुबकी लगाई। इसके बाद राम जी की शरण में पहुंचे। रामलला के साथ ही साथ सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में भी भक्तों की कतार लगी रही। पिछले एक सप्ताह के भीतर राम मंदिर में 20 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन पूजन कर चुके हैं। अधिक से अधिक श्रद्धालु रामलाल के दर्शन कर सकें इसलिए मंदिर सुबह 5-00 से लेकर रात 11-00 तक खोला जा रहा है। हर घंटे करीब 20 हजार श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर रहे हैं। दर्शन के लिए 11 कतार बनाई गई है।असम से आये कविराज ने बताया की प्रयागराज से ज्यादा अच्छी व्यवस्था राम मंदिर में है। सुगमता से दर्शन हो रहे हैं। रामलला के दर्शन कर मन प्रसन्न है। प्रसाद भी मिला है। इसे अपने इलाके में लोगों को देंगे। महाराष्ट्र निवासी कनिका की उम्र 63 साल है लेकिन रामलला के दर्शन के बाद उनमें गजब की ऊर्जा दिख रही थी। पूरे उत्साह से जयकारे लगा रही थीं, कहा कि चार साल बाद अयोध्या आये हैं। अब रामनगरी भव्य हो गई है। 24 घंटे हो रही निगरानी-राम मंदिर में लगातार भीड़ उमड़ रही है। रोजाना करीब तीन लाख श्रद्धालु दर्शन पूजन कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ, एटीएस की टीम, पीएसी सहित अन्य सुरक्षा बलों को लगाया गया है। कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी की जा रही है। भीड़ नियंत्रण के लिए श्रद्धालुओं की निकासी अभी गेट नंबर तीन से ही कराई जा रही है। सुगम और विशिष्ट दर्शन पास धारकों को रंगमहल बैरियर से प्रवेश दिया जा रहा है।- बलरामाचारी दुबे, एसपी सुरक्षा

महाकुंभ भगदड़ पर हेमा मालिनी का विवादित बयान, बोलीं- इतनी बड़ी घटना नहीं थी, बढ़ा चढ़ाकर दिखाया

हेमा मालिनी ने कहा कि हाल ही में कुंभ में मची भगदड़ की घटना इतनी बड़ी नहीं थी जितना इसे दिखाया बढ़ा चढ़ाकर दिखाया गया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का प्रबंधन बहुत अच्छी तरह से किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की सांसद और फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने मंगलवार को एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में कुंभ में मची भगदड़ की घटना इतनी बड़ी नहीं थी जितना इसे दिखाया बढ़ा चढ़ाकर दिखाया गया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का प्रबंधन बहुत अच्छी तरह से किया जा रहा है। बता दें कि 29 जनवरी मौनी अवमस्या के दिन महाकुंभ में मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 लोग घायल हुए थे। हम गए थे कुंभ, अच्छा प्रबंधन था हेमा मालिनी ने कहा कि हम कुंभ गए थे, हमने अच्छे से स्नान किया।

हर तरफ अच्छा प्रबंधन था। हां कुछ वहां भगदड़ मची लेकिन इतना कुछ बड़ा नहीं हुआ था। इसे बढ़ा चढ़ाकर बताया गया। वहां बहुत सारे लोग आ रहे हैं। इतनी भीड़ को नियंत्रित करना कठिन होता है लेकिन हम अच्छे से मैनेज कर रहे हैं। बता दें कि भगदड़ के दिन ही हेमा मालिनी ने भी संगम में डुबकी लगाई थी। गलत बात करना विपक्ष का काम-हेमा मालिनी से जब पूछा गया कि विपक्ष का कहना है कि इस भगदड़ में अधिक लोगों की मौत हुई है तो इस पर उन्होंने जवाब दिया कि वो कुछ भी कहें जो चाहते हैं। गलत बात करना उनका काम है। वहां सबकुछ सही है इसलिए प्रधानमंत्री मोदी भी जा रहे हैं स्नान करने। भगदड़ में मरने वालों की संख्या छुपा रही है सरकार-महाकुंभ में भगदड़ की घटना मंगलवार को संसद के दोनों सदनों में गूंजी। समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार भगदड़ में मरने वालों की संख्या छिपा रही है और मेले के आयोजन में कुप्रबंधन को छिपाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस ने किया पलटवार- हेमा मालिनी के बयान पर कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार के नाकारेपन की वजह से कुंभ में बड़ी संख्या में लोगों को जान गंवानी पड़ी। इस बेहद दुखद घटना पर बीजेपी सांसद हेमा मालिनी का कहना है- ये इतनी भी बड़ी घटना नहीं थी, इसको बढ़ा-चढ़ाकर बताया जा रहा है। ये बयान शर्मनाक है, संवेदनहीनता की इंतेहा है। पहले दिन से ही बीजेपी की सरकार और पूरा सरकारी अमला इस घटना की लीपापोती में लगा है। अब तक ये सामने नहीं आ पाया कि आखिर कितने लोगों की जान गई है। पीड़ित परिजनों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है और सारी ताकत घटना को दबाने में लगाई जा रही है।

आर्मी अफसर की मौत: शादी के नौ महीने बाद उजड़ गया सुहाग, बिलखते हुए पत्नी बोली- बाबू मुझे छोड़ कर क्यों चले गए?

कैप्टन रुद्र प्रताप सिंह के निधन के बाद उनकी पत्नी हिमांशी का रो- रोकर बुरा हाल है। पति की मौत की सूचना सबसे पहले हिमांशी को ही मिली थी। रुद्र और हिमांशी की शादी नौ महीने पहले ही हुई थीकैप्टन रुद्र प्रताप सिंह के निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घरवालों के साथ ही आसपास के लोगों के घरों में भी सन्नाटा पसरा है। कैप्टन रुद्र प्रताप सिंह की इच्छा से नौ महीने बाद ही हिमांशी के पति का निधन हो सभी का यही कहना था कि ईश्वर ने यह कैसा मुझे छोड़ कर क्यों चले गए? बचपन में पापा चल दिए। परिजनों ने बताया कि कैप्टन रुद्र गई थी। सूचना पाकर कॉलेज से हिमांशी रोती-अपनी इकलौते बेटे को खोने के बाद रोते हुए किसके सहारे जियेंगे? हम लोगों का बुढ़ापा बिलखना देख कर हर किसी की आंख भर गांव के मूल निवासी अशोक सिंह मिर्जापुर के

उनकी पत्नी हिमांशी देहरादून से एमबीए की पढ़ाई कर रही हैं। शादी के महज गया। इसे लेकर परिजनों के साथ ही कॉलोनी के लोग भी खासे दुखी दिखे। अनर्थ किया? उधर, हिमांशी के मुंह से बार-बार यही निकल रहा था कि बाबू हमें छोड़ कर चले गए और जिंदगी की जब शुरुआत हुई तो आप छोड़ कर के निधन की सूचना सबसे पहले उनकी पत्नी हिमांशी को ही सेना के द्वारा दी बिलखती हुई अपनी एक सहेली के साथ ससुराल आईं।उधर, मां संगीता बेहोश हो जा रही थीं। वह बार-बार यही कह रही थीं कि हे भगवान अब कैसे कटेगा? हमारी फूल सी बहू कैसे रहेगी? हिमांशी और संगीता सिंह का आईं। 2015 में सेना में भर्ती हुए थे रुद्र प्रताप सिंह-गाजीपुर के भाला बुजुर्ग चील्ह थाने में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। सब इंस्पेक्टर अशोक के इकलौते पुत्र कैप्टन रुद्र प्रताप सिंह वर्ष 2015 में सेना में अधिकारी चयनित हुए थे। वर्ष 2018 में रुद्र प्रताप सिंह कैप्टन बने थे। 25 अप्रैल 2024 को उनकी शादी गाजीपुर के सैदपुर की रहने वाली हिमांशी सिंह के साथ हुई थी। पार्टी में डांस करने के दौरान बिगड़ी थी तबीयत-पिता अशोक सिंह ने रुंधे गले से बताया कि जम्मू के अखनूर सेक्टर में एक माह का आर्टिलरी कैंप लगा था। उसके ऑफिसर इंचार्ज रुद्र प्रताप सिंह थे। कैंप की समाप्ति पर एक फरवरी को दावत का आयोजन था। पार्टी में डांस करने के दौरान रात लगभग 9.35 बजे रुद्र को चक्कर आया और वह बैठ गए। उन्हें सीपीआर दिया गया। सेना उन्हें अखनूर स्थित मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराई, इसके बाद वेंटिलेटर पर रखा गया। शनिवार की रात 11. 45 बजे कमांडिंग ऑफिसर ने फोन करके बताया कि रुद्र प्रताप सिंह का निधन हो गया है। अशोक सिंह ने कहा कि तीन माह पूर्व रुद्र आसाम से अखनूर सेक्टर गए थे। कैप्टन रुद्र प्रताप सिंह का पार्थिव शरीर हवाई जहाज से बाबतपुर एयरपोर्ट लाया गया। उनका पार्थिव शरीर लेकर उनके घर पहुंचे तो पूरी कॉलोनी का माहौल गमगीन हो गया। कैप्टन रुद्र की पत्नी हिमांशी और मां संगीता का रो-रोकर बुरा हाल था। महिलाएं सास-बहू को बड़ी ही मुश्किल से संभाले हुए थीं।

संक्षिप्त समाचार

चेकिंग के दौरान सात वाहनों का चालान किया पुलिस ने

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच। कोतवाली पुलिस ने चेकिंग अभियान में सात वाहनों का चालान किया।

मंडी चौकी प्रभारी नितीश कुमार, दरोगा मनीष तिवारी और आबिद खान ने सोमवार की दोपहर नगर के प्रमुख मारकंडेयश्वर तिराहे पर पुलिस बल के साथ वाहनों की सघन चेकिंग की। अपूर्ण प्रपत्र के अलावा हेल्मेट और सीट बेल्ट का उपयोग न करने पर पुलिस ने छह बाइकों और एक कार का चालान कर 21 हजार 500 रुपये समन शुल्क के रूप में वसूले। वाहन चेकिंग से चालकों में हड़कंप की स्थिति रही।

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच - भूपेंद्र तिवारी

पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया ।

परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच - भूपेंद्र तिवारी

पुलिस अधीक्षक बहराइच के निर्देशन में सामाजिक रिश्तों को बचाने हेतु किये जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस कार्यालय स्थित 'परिवार परामर्श केन्द्र' द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद को समाप्त कराकर 01 परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया ।

दिनांक 04.02.2025 को आवेदिका द्वारा, आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया । परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी । आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर पारिवारिक दायित्वों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

IGRS पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों के निस्तारण में बहराइच पुलिस ने प्रदेश में लगातार चौथी बार प्राप्त किया प्रथम स्थान

क्यूँ न लिखूँ सच - भूपेंद्र तिवारी

पुलिस अधीक्षक बहराइच महोदय द्वारा दिये गये आदेशों व निर्देशों के अनुपालन में एंव आईजीआरएस के नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री रामानन्द कुशवाहा के कुशल मार्गदर्शन में आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज आम जनता से जुड़ी शिकायतों से सम्बन्धित कुल प्राप्त 8670 शिकायतों को शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित समय सीमा में सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया,

जिसके परिणामस्वरूप शासन द्वारा जारी माह जनवरी, 2025 के मासिक मूल्यांकन में जनपद बहराइच पुलिस को कुल 115 अंक में से शत प्रतिशत 115 अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

साथ ही साथ जनपद के समस्त थाने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किये,

जिस पर पुलिस अधीक्षक बहराइच महोदय द्वारा जनपदीय आईजीआरएस शाखा में नियुक्त प्रभारी उ0नि0 श्री दिग्विजय नाथ व समस्त पुलिस कर्मियों के साथ-साथ प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले समस्त थानों की सराहना की गई

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
05 February 2025

ब्लॉक स्तरीय हितधारक के साथ अभिसरण बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच -वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती - देहात इंडिया के तत्वाधान मे ब्लॉक जमुनहा में किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं सुरक्षा) अधिनियम 2015 में उल्लिखित उपबंध के आधार पर ॑ब्लॉक स्तरीय हितधारक के साथ अभिसरण बैठक॑ का आयोजन किया गया! उपरोक्त में बच्चों से जुड़े मुद्दों के विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई - देहात संस्था के हंसराम ने बताया कि देहात संस्था पिछले 23 वर्षों से उत्तर प्रदेश के अलग अलग जनपद में - बाल अधिकार मुद्दो पर सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। जिला समन्वयक युसूफ जी ने बताया कि इस बैठक का मूल उद्देश्य सभी हितधारकों को एक मंच पर एकत्रित होकर बाल विवाह, बाल श्रम एवं मानव तस्करी साइबर अपराध से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना है, तथा निराकरण भी निकालना है, जिससे कि एक ऐसे समाज का निर्माण हो, कि बच्चा अपने अधिकारों को मनोरंजन करते हुए जीवन व्यतीत करें और जिम्मेदार नागरिक बने! देहात इण्डिया से सारजन वर्मा ने बताया कि बच्चों का नामांकन होना अत्यंत आवश्यक है चुकी शिक्षित बालक ही बाल श्रम, बाल विवाह, बाल यौन शोषण से अपने आप को बचा सकता है तथा इन अपराधों से आपने आप को बच्चा सकता है। व वहीं पर उपस्थित अवोक इंडिया जिला समन्वयक सतीश पाठक के द्वारा सरकारी योजना के संबंध में संपूर्ण जानकारी दिए। अंत में देहात इंडिया% के जिला समन्वयक मोहम्मद यूसुफ जी ने सभी का स्वागत अभिवादान, धन्यवाद देते हुए बच्चों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया एवं सभी का पुनः एक बार स्वागत अभिनंदन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। उपरोक्त बैठक में अवोक इंडिया से सतीश जी, ब्लॉक के कर्मचारी गण, थाना के बाल कल्याण अधिकारी , ऐक्शन ऐड संस्था से दिनेश यादव,दिनेश गौतम मय टीम , वीरेंद्र कुमार वर्मा,अमित व प्रधान, शिक्षक, केयरटेकर पंचायत सहायक, रोजगार ये सेवक, में देहात संस्था से जिला समन्वयक मोहम्मद यूसुफ ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सारजन वर्मा, हंसराम , समूह सखी अभिभावक आदि उपस्थित रहे !

20 लीटर नाजायज कच्ची शराब का 02 नाजायज चाकू के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती।।पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने और वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देशों के क्रम में थाना कोतवाली भिनगा ने अभियुक्त रमेश कुमार पुत्र काली प्रसाद निवासी अमरहवा थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती को 10 लीटर नाजायज कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 60 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया। थाना को0 भिनगा ने अभियुक्त धीरज उर्फ राम धीरज पुत्र मोहन निवासी नेवादा अमवा थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती को 05 लीटर नाजायज कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 60 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया। थाना को0 भिनगा ने अभियुक्त बबलू पुत्र बनवारी लाल निवासी मोहल्ला सत्तीचौरा कस्बा भिनगा थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती को 05 लीटर नाजायज कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 60 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।थाना को0 भिनगा ने अभियुक्त दीनदयाल पुत्र सुदामा निवासी तड़वा बनकटवा थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती 01 नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 4/25 आर्म्स अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।थाना को0 भिनगा ने अभियुक्त आमिर पुत्र खलील निवासी कुंदनपुर नौशहरा थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती को 01 नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 4/25 आर्म्स अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।

बीएलओ निलेश कुमार को उत्कृष्ट कार्यों के लिए किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।निर्वाचक नामावली में महत्वपूर्ण सुधार के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए 25 जनवरी 2025 को 15 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ने सदर तहसील जनपद बरेली की अवस्थित विधानसभा क्षेत्र 120 भोजीपुरा में भाग संख्या 44 प्राथमिक विद्यालय बसुधरन जागीर के सहायक अध्यापक बी0 एल0ओ0 निलेश कुमार, को प्रशस्ति पत्र , प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया । सोमवार को एस डीएम सदर प्रमोद कुमार, ने भी निलेश कुमार को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया ।नगर पंचायत रिठौरा के बीएलओ को वर्षा गुप्ता,सीमा यादव, दुर्गा सिंह,खलील अहमद, उदयभान सिंह, विमलेश कुमार, रामदास, कुलदीप सिंह आदि ने खुशी जताई है।

पुलिस अधीक्षक ने कालपी कोतवाली का किया बार्षिक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर दुर्गेश कुमार ने मंगलवार को कालपी कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण किया। कोतवाली पहुंचने पर गार्ड द्वारा सलामी दी गई। एसपी ने कोतवाली के हर विभाग का बारीकी से निरीक्षण किया। जिसमें मेस, कंप्यूटर रूम, माल खाना, शस्त्र रजिस्टर, अपराध रजिस्टर और महिला हेल्प डेस्क शामिल थे। निरीक्षण के दौरान एसपी ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से माल मुकदमा में लंबित मोटरसाइकिल के मामलों पर चिंता जताई। इनके शीघ्र निस्तारण के लिए न्यायालय की अनुमति लेकर कार्रवाई करने को कहा। साथ ही, जर्जर मेस की मरम्मत और सौंदर्यीकरण के निर्देश भी दिए। एसपी ने पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया। जिससे अपराध की रोकथाम में जनता का सहयोग मिल सके। उन्होंने महिलाओं से जुड़े अपराधों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। इस मौके पर सीओ कालपी अवधेश कुमार सिंह, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नागेंद्र पाठक सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षित बच्चें ही हैं समाज का भविष्य - अपर न्यायाधीश

क्यूँ न लिखूँ सच

उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुक्रम में माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं के निर्देशानुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं द्वारा मंगलवार को बाल अधिकारों, नए कानूनों, यौन अपराधों से सम्बन्धित बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के अवसर पर विधिक साक्षरता व जागरूकता शिविर का आयोजन राजकीय इन्टर कॉलेज, घटपुरी जनपद बदायूं में आयोजित किया गया। शिविर का शुभारम्भ करते हुए अपर जिला एव सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिव कुमारी ने बताया कि छात्र-छात्राओं को शिक्षित होना चाहिए व अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना चाहिए। विद्यार्थियों को फेसबुक एवं इन्सटाग्राम आदि सोशल मीडिया साइटों का उपयोग सीमित दायरे में ही करना चाहिए क्योंकि आधुनिक परिवेश में सोशल मीडिया के दुरुपयोग से विभिन्न सायबर अपराधों को बढ़ावा मिल रहा है तथा इस सोशल मीडिया के माध्यम से अनभिज्ञ बच्चें, अश्लील चलचित्र, छायाचित्र देखकर ब्लैकमेल का शिकार हो जाते है और साथ ही अपना भविष्य खराब कर लेते हैं। अपर जिला एव सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिव कुमारी ने बताया कि भारतीय संविधान में वर्णित अनुच्छेद-15 लिंगानुपात भेदभाव, छात्राओं के खिलाफ अपराध जैसे एसिड हमला, बलात्कार, अपहरण, दहेज उत्पीडन, एवं यौन उत्पीडन के सम्बन्ध में आदि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क विधिक सेवायें प्रदान की जाती है, यदि किसी प्रकार पीड़ित के अधिकारों का उल्लंघन होता है तो वह अपने शिकायती प्रार्थना-पत्र कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं व सम्बन्धित थाना में निःसंकोच केस दर्ज करा सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं से आह्वावान किया गया कि अपने आस-पास के परिवेश में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें, तथा स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखें। अपर जिला एव सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिव कुमारी ने बताया कि आगामी 08 मार्च 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन स्तर पर सुलह समझौते के आधार पर वादों का निस्तारण कराया जाता है। सूक्ष्म एवं लघु प्रकृति के वादों को सम्बन्धित न्यायालय के निर्देशानुक्रम में जनपद न्यायालय परिसर में मध्यस्थता केन्द्र खुला हुआ है। उक्त मध्यस्थता केन्द्र के सदस्यों/अधिवक्ताओं द्वारा दोनों पक्षों को बिठाकर समझौता कराया जाता है। कार्यक्रम में सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाओं एवं किसान रजिस्ट्री, यातायात नियमों एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित टोल फ्री नम्बर 1076, 1090, 112, 1930 के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य राज कपूर वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिकारी व कर्मचारी, छात्र-छात्राएं, अध्यापक आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 137 जोड़ों का हुआ विवाह

क्यूँ न लिखूँ सच

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत विकासखंड दातागंज, विकासखंड समरेर, विकासखंड उसावा, विकासखंड म्याऊं, एवं नगर निकाय आलापुर, उसावां, दातागंज के 137 जोड़ों का विवाह विकासखंड परिसर म्याऊं में संपन्न हुआ, जिसमें 05 मुस्लिम और 132 हिंदू जोड़े सम्मिलित हुए। विधायक दातागंज राजीव कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रदेश सरकार की एक महत्वाकांक्षी, लोकप्रिय व अनूठी योजना है, इसमें सर्व समाज को सम्मिलित करके विवाह संपन्न कराया जाता है। गृहस्थी की गाड़ी के दो पहियों के समान है इसमें संतुलन बहुत आवश्यक है। क्षेत्रीय अध्यक्ष ब्रज क्षेत्र भारतीय जनता पार्टी दुर्विजय सिंह शाक्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा बहुत सी जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं जिनमें से एक महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना है। इस योजना अंतर्गत जोड़ों का विवाह पूरे गरिमा और सम्मान के साथ कराया जाता है और इसमें शीर्ष स्तर के जनप्रतिनिधि, अधिकारी व गणमान्य लोग सम्मिलित होते हैं। उन्होंने उपस्थित सभी जोड़ों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्य अतिथि गण द्वारा मंच पर नव विवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र एवं उपहार सामग्री भेंट की गई। अंत में केशव कुमार मुख्य विकास अधिकारी बदायूं द्वारा उपस्थित सभी गणमान्य एवं जन समुदाय का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला सहकारी संघ रविंद्र पाल सिंह, जिला महामंत्री शारदाकांत, मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार, जिला विकास अधिकारी अजय प्रताप सिंह, उप जिलाधिकारी दातागंज, जिला समाज कल्याण अधिकारी मीनाक्षी वर्मा ,ब्लॉक प्रमुख म्याऊं प्रतिनिधि के.सी. शाक्य, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि उसावां दिनेश कुमार सिंह, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि समरेर, धीरज सक्सेना समाजसेवी उद्योगपति रविंद्र प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बिछड़े दंपति को थाने में मिलाया

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती पुलिस के प्रयास से टूटा रिश्ता फिर जुड़ा, महिला थाना ने बिछड़े दंपत्ति को मिलाया। महिला थाना में परिवारिक विवादों की प्राप्त शिकायतों की सुनवाई की गई। महिला थाना के अधिकारी कर्मचारीगण व विभिन्न क्षेत्र से नामित सदस्यों द्वारा दोनों पक्षों की बातो को विधिवत सुना गया तथा पति-पत्नी के मध्य आपसी मनमुटाव व कलह के कारणों को दूर किया गया। एक दूसरे को मुंह मीठा कराते पति-पत्नी। इस कार्यवाही से 01 परिवार वादिनी कोमल पत्नी गणेश निवासी बेचवा थाना सिरसिया जनपद श्रावस्ती हाल मुकाम भैयापुरवा थाना कोतवाली भिनगा तथा प्रतिवादी-गणेश पुत्र मलिक निवासी बेचुआ थाना सिरसिया जनपद श्रावस्ती को बिछड़ने से बचाया गया तथा हंसी-खुशी से विदा किया गया।

पुलिस ने 25 वारंटियों को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने जनपद में वांछित / वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान ऑपरेशन धरपकड चलाया। इसी अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा पिछले 12 घंटे में कुल 25 वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। ऑपरेशन धरपकड़ अभियान के अंतर्गत बीती रात्रि को क्षेत्राधिकारी इकौनार्धभनगा के कुशल पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त थाना प्रभारियों ने कार्यवाही करते हुए 12 घंटे के अंदर 25 वारंटियों को गिरफ्तार किया है। उक्त वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु मा0 न्यायालय जेवएम द्वारा वारंट जारी किया गया था। इन वारंटियों में मार-पीट, चोरी, स्ष्ट/स्ञ्ज एक्ट, आर्मस एक्ट, आबकारी अधि0, 10 गुंडा अधि0, एनडीपीएस एक्ट, ष्ठक्कएक्ट जैसे मामलों के अपराधी शामिल हैं। सभी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन कांग्रेजनों ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौपा

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई (जालौन)। प्रभारी शहर अध्यक्ष उरई रेहान सिददीकी, गुड्डू रिजवी, अयूब अंसारी, सीताराम वर्मा, राजकुमार वर्मा, अशोक द्विवेदी, चौ. श्याम सुंदर सहित लगभग दस कांग्रेजन ज्ञापन के समय कलेक्ट्रेट में मौजूद रहे। जिन्होंने राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को भेट किया। सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन भेंट करते हुए बताया कि मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम प्रयागराज में हुई भगदड़ में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई है और कई घायल हो गए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अभी तक मृतकों एवं घायलों की सूची जारी नहीं की गई है जिससे इस घटना में मारे गए एवं घायल हुए श्रद्धालुओं के परिजनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेजनों राज्यपाल को भेजे ज्ञापन में उत्तर प्रदेश सरकार को अभिलंब उक्त घटना मे मारे गए एवं घायल हुए श्रद्धालुओं की सूची जारी करने का निर्देश देकर जारी करने की मांग उठाई है।

ससुरालीजनों द्वारा मारपीट कर मकान व सम्पत्ति से बेदखल करने की शिकायत एसपी से

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई (जालौन)। कुठौंद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सुरावली निवासी रेनू पत्नी स्व. सोनेलाल ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उसकी शादी 23 जून 2012 में हिन्दू रीति रिवाज के कोंच से हुई थी इसके बाद प्रार्थनी के तीन बच्चे हुए जिनमें दो बेटे व एक पुत्री है, बड़े पुत्र 9 वर्ष, छोटा 7 वर्ष तथा बेटी 5 वर्ष की है। महिला ने बताया कि उसके पति की मौत 7 जनवरी को बीमारी के चलते हो गयी थी। यह भी बताया कि पति की मौत के बाद ससुराल में रह रही है तथा माता-पिता की भी मौत हो चुकी है तथा भाई नहीं है लेकिन प्रार्थनी के ससुरालीजन ससुर देवीप्रसाद, सास उर्मिला, देवर दिनेश डांसर, मुनेश, ननद लाली पत्नी संजय निवासी करनपुरा व कुंती पत्नी रामनरेश, उमा पत्नी मंटू आदि ने 30 जनवरी को 7 बजे प्रार्थनी के साथ मारपीट कर जला दिया और घर बाहर निकाल दिया। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि उक्त उसकी सम्पत्ति हड़पना चाहते है। पीड़िता ने एसपी से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की मांग उठाई है।

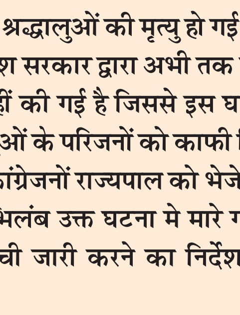

Throw these 3 things out of your house immediately, the doctor's advice will save your health from a big danger

In today's busy lifestyle, we use many things to make our homes convenient and comfortable, but do you know that there are some things that can be very deadly for our health (Toxic Household Toxins)? Yes, Harvard's Gastroenterologist Dr. has told about some such things which should be thrown out of the house immediately. Gastroenterologist Dr. has advised to throw some things out of the house. These common things present in the house can prove to be harmful for health. By removing these things from the house, you can move towards a healthy life. In today's time, our way of living has changed a lot. We use various types of products to make our homes comfortable and modern, but do you know that some things that seem normal to us can pose a serious threat to our health? According to Harvard gastroenterologist Dr. Saurabh Sethi, some things present in the house should be removed immediately (Items To Throw Away For Better Health), because they can harm our health. These include regular scented candles, plastic cutting boards and scratched non-stick pans. Let us know about them in detail and understand how they can be harmful to our health. Regular Scented Candles Scented candles are commonly used to enhance the fragrance of the house. Their fragrance gives us a feeling of comfort and relaxation, but do you know that these candles can be harmful to our health? Let us tell you, most scented candles are made of paraffin wax, which is obtained as a by-product of petroleum. When these candles are lit, they release harmful chemicals like toluene and benzene into the air. These chemicals can cause serious diseases like cancer. Apart from this, the artificial fragrances used in these candles can also cause allergies and respiratory problems. Doctors recommend that if you want to use scented candles, then choose candles made of beeswax or soybean wax, which are natural and safe for health. Also, you can use natural methods like essential oil diffuser to maintain fragrance in the house. Plastic Cutting Board Plastic cutting board is used in almost every house. It is a cheap, light and easily available product, but do you know that it can be dangerous for your health? Knife cuts leave marks on plastic cutting boards, in which food particles get trapped. These particles cause the growth of bacteria, which can reach our body through food. This increases the risk of stomach problems and infections. Apart from this, plastic cutting boards may contain harmful chemicals such as bisphenol A (BPA) and phthalates, which can enter our body by mixing with food. These chemicals can cause serious diseases like hormonal imbalance, obesity and cancer. Doctors recommend that instead of plastic cutting boards, you should use cutting boards made of wood or bamboo, which are natural and prevent bacteria from growing. Scratched Non-Stick Pan - Non-stick pan is found in every kitchen nowadays. It makes cooking easier and reduces the use of oil, but when a non-stick pan gets scratched, it can be dangerous for our health. The non-stick coating contains a chemical called polytetrafluoroethylene (PTFE), which can release toxic fumes when heated. These fumes can reach our body through breathing and cause flu-like symptoms, which is called 'polymer fume fever'. Apart from this, non-stick coating also contains a chemical called perfluorooctanoic acid (PFOA), which can cause diseases like cancer and thyroid. Doctors advise that if your non-stick pan is scratched, replace it immediately. Instead, it would be better to use stainless steel or cast iron utensils, which are not only safe for health but also last a long time.

6 Superfoods will help in increasing breast milk, new mothers should definitely include them in their diet

Breastfeeding is not only the best source of nutrition for the baby but is also very beneficial for the mother's health. However, some women have the problem of not being able to produce enough breast milk. In such a situation, there are some superfoods (Superfoods For Breastfeeding) which can be of great help in increasing the production of breast milk by including them in the diet. Let's know.Stuffing is a special feeling for both mother and child. In such a situation, new mothers should take special care of their diet. There are 6 superfoods that can help in increasing breast milk. Becoming a mother is a feeling that changes life completely. This time is full of happiness for a new mother, but at the same time it also includes many challenges. One of the biggest challenges is to breastfeed the baby in sufficient quantity. Breastfeeding is not only the best source of nutrition for the baby, but it also creates a special emotional connection between mother and child. However, many times new mothers have to face the problem of lack of milk. In such a situation, taking the right diet can prove to be helpful in increasing both the quantity and quality of breast milk (Boost Breast Milk Naturally). Let's know about 6 such superfoods that can be beneficial for new mothers. OatsOats is a nutritious and fiber-rich diet that is considered helpful in increasing breast milk. It contains nutrients like iron, calcium, magnesium and vitamin B, which provide energy to the body of the new mother and promote milk production. The element called beta-glucan present in oats activates the prolactin hormone, which is helpful in milk production. New mothers can include oats in their diet in the form of porridge, khichdi or smoothie. Fenugreek seeds-Fenugreek seeds have been used for centuries as a natural remedy to increase breast milk. These seeds contain compounds like phytoestrogen and diosgenin, which help in increasing milk production. Fenugreek seeds can be soaked in water, made into tea or used as a spice in food. However, it should be consumed in limited quantities, as excessive consumption can cause stomach gas or other problems. Sesame Sesame seeds are rich in calcium, iron and healthy fats, which are very beneficial for new mothers. These seeds help in increasing the quality of breast milk and provide essential nutrients for the development of the baby. Sesame seeds can be eaten by mixing them in laddus, chikkis or salads. Apart from this, sesame oil is also beneficial for health. Green leafy vegetables-Green leafy vegetables like spinach, fenugreek, mustard greens and broccoli are rich in iron, calcium, folate and vitamin A. These vegetables provide nutrition to the body of the new mother and help in increasing the amount of breast milk. The phytoestrogens present in them stimulate milk production. Green vegetables can be included in the diet in the form of soup, vegetable or paratha. Almonds and Dry Fruits-Dry fruits like almonds, cashews, walnuts and dates can be a great snack for a new mother. These nuts are rich in healthy fats, proteins, vitamins and minerals, which enhance the quality of breast milk. The omega-3 fatty acid present in almonds is also beneficial for the development of the baby's brain. They can be eaten directly or mixed in milk and consumed. Soaking dates in water overnight and eating them in the morning is also beneficial. Garlic-Garlic not only enhances the taste of food, but it is also helpful in increasing breast milk. The element called galactagogue present in garlic promotes milk production. Apart from this, garlic has antioxidant and anti-inflammatory properties, which strengthen the immune system of the new mother. Garlic can be eaten by mixing it with vegetables, soup or lentils.

Adopt 8 easy measures to balance hormones naturally, women must take note

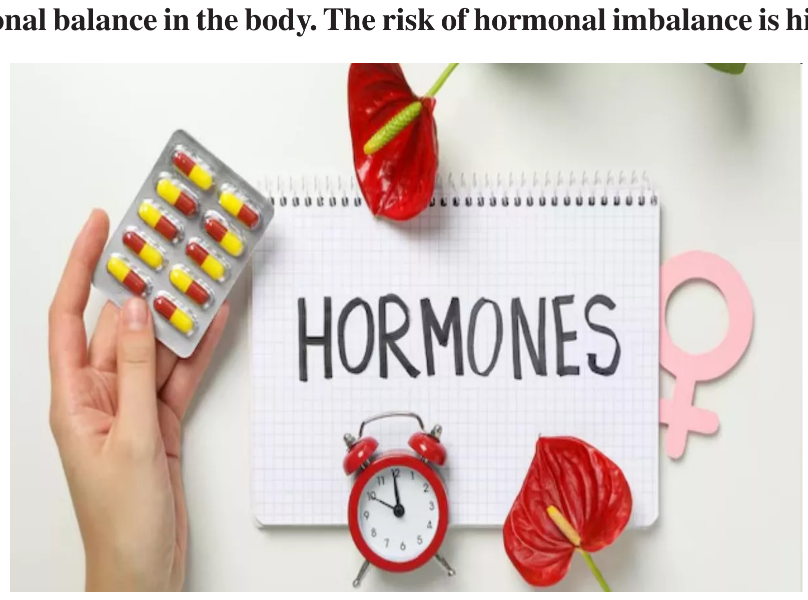

To stay healthy, it is important to maintain hormonal balance in the body. The risk of hormonal imbalance is higher in women than in men. There may be reasons related to lifestyle and diet behind this. Therefore, here we are telling some such tips (Hormone Balance Tips) with the help of which you can keep hormones balanced naturally. Hormones act as messengers for our body. They control different functions of the body, such as metabolism, mood, fertility, sleep and weight. Women are more at risk of hormonal imbalance, for which many reasons are responsible (Women's Health Tips). Hormonal imbalance can cause fatigue, stress, weight gain, acne and other health problems, but hormones can be balanced with some natural methods (Hormonal Health Tips). Let's know about these 8 easy methods. Take a healthy diet - Nutrition is most important for hormonal balance. A diet rich in protein, healthy fats, fiber and antioxidants should be taken. Omega-3 fatty acids (such as fish, flax seeds) and vitamin D help regulate hormones. Stay away from processed food and sugar, as they can disturb insulin levels. Reduce stressStress increases the level of cortisol hormone, which causes other hormones to become unbalanced. Stress can be reduced by doing yoga, meditation, deep breathing exercises and getting enough sleep. This helps the body to maintain hormonal balance. Do regular exercisePhysical activity plays an important role in balancing hormones. Exercises like walking, jogging, yoga and strength training increase insulin sensitivity and reduce the stress hormone cortisol. However, excessive exercise can also cause hormonal imbalance, so maintain balance. Get enough sleep-Lack of sleep is an important cause of hormonal imbalance. The body repairs and regulates hormones during sleep. It is important to get 7-8 hours of deep sleep. Reduce the use of mobile and laptop before sleeping, as it affects the melatonin hormone. Eat healthy fats- Healthy fats such as avocado, nuts, olive oil and coconut oil help in the production of hormones. These fats balance cholesterol, which helps in making hormones. Apart from this, they also increase insulin sensitivity. Avoid sugar and refined carbs-Eating too much sugar and refined carbs increases insulin levels, which can lead to hormonal imbalance. Instead, eat food items with low glycemic index, such as whole grains, pulses and green vegetables. Herbal teas and supplements-Some herbal teas such as green tea and ashwagandha tea help improve hormonal balance. Herbal supplements such as ashwagandha, maca root and shatavari also help in balancing hormones. However, use them only after consulting a doctor. Avoid chemicals- In everyday life, we come in contact with many chemicals, such as plastic, pesticides and beauty products. These chemicals can affect the endocrine system. They can be avoided by using BPA-free plastic and natural products.

Amitabh Bachchan had locked himself in the fridge, said- 'I screamed and then...', this happened later

Amitabh Bachchan has shared an interesting anecdote related to his childhood on the stage of quiz based reality show Kaun Banega Crorepati Season 16. Big B has told that there used

to be no fridge in his house. When it came, he locked himself in it. What happened next was shocking. Amitabh Bachchan had locked himself in the fridge Amitabh narrated a funny anecdote on KBC 16 - the door was not opening after being locked in the fridge. Quiz based reality show Kaun Banega Crorepati is such a reality show, where not only the contestants win crores of rupees, but on this stage one gets to know a lot about the host Amitabh Bachchan. Amitabh Bachchan has told many interesting stories about his personal and professional life many times on the stage of KBC. In the 16th season of KBC, he also shared many pages related to his life. Recently, he shared the story of his childhood, when he locked himself in the fridge. In the recent episode of KBC 16, Amitabh Bachchan told that once he locked himself in the fridge. What happened after that, the actor may never forget it. There was no AC in the house While sharing his childhood anecdote with the contestants, Amitabh Bachchan told that earlier there used to be no fancy electronic items at his house located in Allahabad (Prayagraj). Regarding this, Big B said, "When we were small, there was no fridge or anything. It was just a fan. We used to wonder what this was. We used to live in Allahabad. We did not have facilities like AC etc. So we used to put a piece of ice in front of the table fan and run it from behind, and cold air used to come." Amitabh Bachchan was beaten up a lot. Amitabh Bachchan further told that when a fridge came to his house for the first time, he was so excited that he locked himself inside it. Big B said, "Then after a few years, a big fridge came to the house. When we opened it, we saw that it was very cold. We were a little young. One day we entered inside it. We did not tell anyone and the door got locked. It can be opened from outside, it does not open from inside. I shouted and then we came out. I was beaten up a lot." It is known that in the last episode of KBC 16, comedians and digital creators like Samay Raina, Bhuvan Bam, Kamiya Jani, Tanmay Bhat also came, who asked Amitabh Bachchan about many anecdotes.

Loveyapa First Review: Khushi Kapoor-Junaid Khan's Gen Z love story is 'magical', read the first review before watching it

Aamir Khan's son Junaid Khan and late actress Sridevi's daughter Khushi Kapoor are soon bringing a modern love story on screen. Recently the trailer of the film was released and is being liked a lot. Now a few days before the release of the movie, the famous director has

shared the review of the film. Let's know what is his opinion on Loveyapa? Junaid Khan and Khushi Kapoor's Loveyapa The film is releasing in theaters on January 7 - the first review of the film has come before the release Aamir Khan's son Junaid Khan is in the limelight for his film Loveyapa. Through the romantic comedy movie, a love story is going to come out for the audience with which today's generation will be able to connect a lot. In the film, the responsibility of big decisions like modern dating to marriage is going to be shown in a new way. Loveyapa is just a few days away from release. If you are planning to watch the movie, then you must read its first review. New age 'Loveyapa' will provide a lot of entertainment- Directed by Advait Chandan, Loveyapa is the story of two couples who have to exchange their mobile phones before marriage. After watching the movie, the famous Bollywood director has shared its first review on social media. Karan Johar has praised the film a lot on his Instagram handle and has described Loveyapa as a very entertaining film. Karan has praised the work of both of them. He also said that he can watch this film again as it was quite magical. His words indicate that he liked the story of the film a lot and this modern concept should definitely be seen. "The first successful love story of 2025" - Karan Johar wrote in his post, 'Drum roll for the first successful love story of 2025. Loveyaapa tells a love story of Jain couple from the world of tech and app which is extremely entertaining and presents solid points. This is what you genuinely call a great time at the movies. You will fall in love with all the characters and you will become crazy about the magic and charming lead Junaid Khan and Khushi Kapoor. I can happily watch the film again and give the most credit to director Advait Chandan for bringing pace, energy, humor, emotion and solid storytelling. Khushi Kapoor's elder sister and actress Janhvi Kapoor has also reacted to Karan's post. At the same time, director Advait Chandan has also thanked Karan for his words. About 'Loveyaapa'... Let us tell you that 'Loveyaapa' is a film full of love, drama, confusion and emotion. Apart from Junaid and Khushi, this film made under the banner of Phantom Studios and AGS Entertainment also stars actors like Grusha Kapoor, Ashutosh Rana, Tanvika Parlikar, Kiku Sharda and Kunj Anand. Loveyaapa will be released in theaters on February 7. The film will clash with Himesh Reshammiya's upcoming film Badass Ravikumar.

On which woman did Ibrahim Ali Khan get angry? 'Nadaniyaan' actor's angry video surfaced, Khushi was also seen with him

Soon Saif Ali Khan's beloved son Ibrahim Ali Khan is going to debut. His film is going to be released on the OTT platform. Meanwhile, a video of the star kid is going viral on social media in which the actor is seen getting angry. Khan is debuting with Nadaniyaan Ibrahim-Ibrahim Ali Khan's video is most talked about star kids of B-town. going to step into the film world like Sara Ali Khan. Recently, his upcoming the limelight due to a video. Ibrahim look and expressions are also very does not hesitate to click photos with video surprised people. Who did Ali Khan is going viral on social media, video of Ibrahim has been shared on can be seen talking seriously with a she starts going to the lift, then Ibrahim In this video, Ibrahim Ali Khan is seen laughing. The caption with the post curious. What made him so angry? See stunned and surprised. From family happened to Ibrahim? Was there an

Ibrahim was seen arguing with a woman. Ibrahim Ali Ibrahim will share the screen with Khushi Kapoor going viral Ibrahim Ali Khan's name comes among the Ibrahim is no longer just a star kid, now he is soon his father Saif Ali Khan, mother Amrita Singh and sister film was announced and now Ibrahim has come into Ali Khan is compared to his father Saif. His charming similar to Saif. Not only this, whenever he is spotted, he his fans. He never got into any controversy, but a recent Ibrahim get angry at? - Actually, a video of Ibrahim in which the actor is seen getting angry at a woman. A an Instagram page named Max of India. In the clip, he woman. The woman signals him to keep quiet. Then also follows her. Did Ibrahim argue with the woman? - angry. Khushi Kapoor is also present there, who is read, "Ibrahim Ali Khan's angry mood has got everyone how the star's sharp reaction left Khushi Kapoor drama to personal moments, we are all wondering what argument or something else? Let's dive into the mystery behind Ibrahim's anger and see what unfolds in this unexpected encounter." For now, was Ibrahim Ali Khan really angry at the woman or was he just talking casually? Only he knows. Dainik Jagran has not confirmed this.